

देश को हिंसा और अराजकता की आग में झोंकना चाहती है कांग्रेस: राजनाथ सिंह

संवाददाता

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर देश में हिंसा और अराजकता का माहौल पैदा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी राजनीतिक पराजय का बदला देश से लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि 'Regime Change (सत्ता परिवर्तन)' और 'प्रतिरोध' जैसे नारों के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। राजनाथ सिंह शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के दौरे के दूसरे दिन प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का राजनीतिक उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाली कांग्रेस ने हिंसा और अराजकता की राजनीति अपनाकर 'गांधी' नाम के इस्तेमाल का नैतिक आधार खो दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस भारत में बांग्लादेश जैसी परिस्थितियां पैदा करने का सपना देख रही है। उत्तर



प्रदेश में कांग्रेस के 37 वर्षों से सत्ता से बाहर रहने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जनता अच्छी तरह समझती है कि पार्टी की राजनीतिक स्थिति के पीछे कथित वोट चोरी के आरोप हैं या उसकी कार्यशैली और कामकाज की विफलता। राजनाथ सिंह ने महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि चौरी-चौरा की हिंसक घटना के बाद गांधीजी ने आंदोलन वापस ले लिया था। उन्होंने कहा कि 'सत्ता

परिवर्तन', 'प्रतिरोध' और 'संसद नहीं, सड़क से ही रास्ता निकालना है' जैसे बयान राजनीतिक समाधान के बजाय अराजकता को बढ़ावा देने वाले हैं। उनके मुताबिक, इस तरह की राजनीति भारत की विकास यात्रा को बाधित करने का निंदनीय प्रयास है। रक्षामंत्री ने कहा कि भारत की प्रगति और वैश्विक स्तर पर बढ़ते प्रभाव से कई शक्तियां असहज हो सकती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावों में लगातार हार का सामना

कर रहे कुछ राजनीतिक दल जाने-अनजाने में ऐसी शक्तियों के हाथों में खेल रहे हैं। उन्होंने रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत अब रक्षा उत्पादों का निर्यातक देश बनकर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा, साख और विश्वसनीयता बढ़ी है। राजनाथ सिंह ने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी चुनावी व्यवस्था पर संदेह नहीं किया और न ही संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि देश की जनता, संविधान और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान करना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, "भारत का भविष्य हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। हमें टकराव नहीं, संवाद और राष्ट्र निर्माण का मार्ग चुनना चाहिए।"

मौसम में बदलाव के चलते अटारी-वाघा रिट्रीट सेरेमनी का समय बदला

संवाददाता

अमृतसर। मौसम में बदलाव के मद्देनजर अटारी-वाघा बॉर्डर पर होने वाली रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। अब शुक्रवार से यह समारोह शाम 5 बजे से 5:30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इससे पहले रिट्रीट सेरेमनी का समय शाम 5:30 बजे से 6 बजे तक था। वाघा बॉर्डर पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों ने कहा कि इस



बदलाव के बाद देश-विदेश से समारोह देखने के लिए पहुंचने वाले पर्यटकों को अब शाम 5 बजे तक पहुंचने की योजना बनानी होगी। अटारी-वाघा बॉर्डर पर प्रतिदिन आयोजित होने वाली रिट्रीट सेरेमनी पर्यटकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र रहती है। इसमें बीएसएफ के जवानों की जोशीली परेड और दोनों देशों के बीच सीमा द्वार बंद करने की पारंपरिक प्रक्रिया देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

भीषण हादसे में 4 लोगों की मौत

संवाददाता

मैसूर। कर्नाटक के मैसूर जिले के पिरियापट्टण तालुक के कीरनहल्ली गेट के पास शुक्रवार तड़के एक निजी बस और लॉरी के बीच आमने-सामने की टक्कर में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा शुक्रवार तड़के करीब 3.30 बजे हुआ। मैसूर से मडिकेरी जा रही निजी बस की मडिकेरी की ओर से मैसूर आ रही लॉरी से आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस और लॉरी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। चार लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों में बस चालक सुनील (26), परिचालक संदेश (25) और बस यात्री अफताब (23) की पहचान हुई है। चौथे मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हादसे में घायल 20 से अधिक यात्रियों को पिरियापट्टण के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया



गया है, जहां उनका उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि गुरुवार रात हुई भारी बारिश के कारण पेड़ की एक शाखा सड़क पर गिर गई थी। शाखा से बचने के प्रयास में लॉरी चालक ने वाहन को दाईं ओर मोड़ दिया, इसी दौरान सामने से आ रही निजी बस से उसकी टक्कर हो गई। मैसूर बस यात्री अफताब (23) की पहचान हुई है। चौथे मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हादसे में घायल 20 से अधिक यात्रियों को पिरियापट्टण के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया

भाजपा के रिजीम चेंज बयान पर कांग्रेस का पलटवार 'सत्ता परिवर्तन विपक्ष की लोकतांत्रिक जिम्मेदारी'

संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 'रिजीम चेंज' संबंधी बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि चुनाव के माध्यम से सत्ता परिवर्तन विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार और जिम्मेदारी है। कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य पवन खेड़ा ने कहा कि विपक्ष का काम सरकार का विरोध करना, उसकी नीतियों को बेनकाब करना और लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन का प्रयास करना होता है। पवन खेड़ा ने गुरुवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि चुनाव के जरिए सरकार बदलना लोकतंत्र का सामान्य और वैध हिस्सा है, लेकिन भाजपा नेताओं को इससे परेशानी हो रही है क्योंकि उन्हें अब लोकतांत्रिक सवालों की आदत नहीं रही है। खेड़ा ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति



प्रणव मुखर्जी ने कहा था कि विपक्ष का कर्तव्य है कि वह सरकार का विरोध करे, उसकी खामियों को उजागर करे और यदि संभव हो तो उसे सत्ता से बाहर करे। कांग्रेस भी यही कर रही है। अगर सत्ता परिवर्तन की बात करना गलत है तो भाजपा स्पष्ट करे कि क्या विपक्ष का चुनाव लड़ना, आंदोलन करना और सत्ता परिवर्तन की बात करना देशविरोधी या गैरकानूनी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सवालों का जवाब देने के बजाय सवाल पृच्छने वालों पर ही आरोप लगाने लगती है। देश में

कई दिनों से लोग आंदोलित हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन जवाब चुनाव आयोग की बजाय केंद्र सरकार की ओर से दिए जा रहे हैं। ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग पर सरकार अपनी स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं कर रही है। उल्लेखनीय है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में पत्रकार वार्ता में कहा था कि विपक्ष की लड़ाई चुनाव सुधार, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के मुद्दे को लेकर नहीं है, बल्कि देश में अराजकता फैलाकर सत्ता हासिल करने की साजिश है। उन्होंने आरोप लगाया था कि विपक्ष देश के युवाओं को अराजकता राजनीति का मोहरा बनाने की कोशिश कर रहा है और बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन की बातें कर रहा है।

संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पंजाब में बढ़ते नशे के संकेत और हालिया हत्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए नशा माफिया के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने की मांग की। नितिन नवीन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि पंजाब में नशे का संकेत चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। मानसा में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की हत्या के महज दो दिन बाद गुरदासपुर में 40 वर्षीय बिक्रमजीत सिंह की हत्या की घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने इन घटनाओं को आआपा



सरकार में लोगों की सुरक्षा से जोड़ते हुए सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाए। नितिन नवीन ने सवाल किया कि पंजाब में हालात ऐसे कैसे हो गए हैं कि नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले समाज के प्रमुख लोगों को भी अपनी जान की सुरक्षा को लेकर चिंता करनी पड़ रही है। नशे के खिलाफ संघर्ष करने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना बेहद जरूरी है। भाजपा अध्यक्ष ने पंजाब में नशा माफिया के खिलाफ सख्त और निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

ईडी की 29 ठिकानों पर छापेमारी, शेयरों में हेरफेर से एक लाख से अधिक छोटे निवेशकों को नुकसान

संवाददाता

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में कथित हेरफेर के मामले में शुक्रवार को छह शहरों में 29 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच में सामने आया कि दो कंपनियों के शेयर खरीदने के लिए व्हाट्सऐप समूहों के जरिए निवेशकों को लगातार खरीदारी के संदेश भेजे गए। इसके बाद दोनों कंपनियों के शेयरों की कीमतों में भारी गिरावट आई, जिससे एक लाख से अधिक छोटे निवेशकों को नुकसान हुआ। ईडी ने छापेमारी के दौरान लेनदेन के रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और संपत्ति से जुड़े कागजात जब्त किए हैं। ईडी के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय-I ने धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत मुंबई,



नासिक, अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत और भावनगर में कार्रवाई की। ये छापे आरएम ड्रिप एंड स्प्रींकलर्स सिस्टम्स लिमिटेड और आरएण्डबी डेनिम्स लिमिटेड के शेयरों में कथित हेरफेर की जांच के सिलसिले में मारे गए। तलाशी के दायरे में दोनों कंपनियों के कार्यालय, उनके प्रवर्तकों के आवास, कम कीमत पर शेयर पाने वाले लोगों के ठिकाने, शेयर दलाली और वित्तीय कंपनियों के कार्यालय तथा कथित तौर पर प्रचार के लिए व्हाट्सऐप समूह

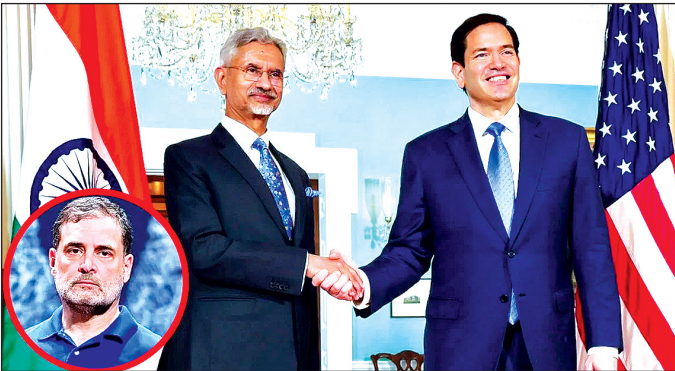
चलाने वाले लोगों के परिसर शामिल थे। ईडी की जांच के अनुसार, अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के बीच दोनों कंपनियों ने चुनिंदा व्यक्तियों और संस्थाओं को 3.5 करोड़ से अधिक शेयर और परिवर्तनीय वारंट जारी किए। इन शेयरों के लिए भुगतान की गई राशि का बड़ा हिस्सा आपस में जुड़े कुछ व्यक्तियों, कंपनियों और ऋणदाताओं के समूह से आया था। इसके बाद के महीनों में दोनों कंपनियों के शेयरों की कीमतें लगातार बढ़ाई गईं, जबकि अधिकांश शेयर कुछ चुनिंदा लोगों के पास ही बने रहे। जांच में सामने आया कि दिसंबर 2025 के अंत से फरवरी 2026 के बीच 'मल्टीबैगर स्टॉक्स' जैसे नामों वाले व्हाट्सऐप समूहों में रोजाना इन शेयरों को खरीदने की सलाह दी जाती थी।

मार्को रुबियो के मुंबई दौरे पर राहुल गांधी का तंज

बोले-आखिर ये चल क्या रहा है

संवाददाता

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की आगामी भारत यात्रा के दौरान मुंबई में राजनीतिक नेतृत्व की बजाय 'भारत सरकार के अधिकारियों' से होने वाली असामान्य मुलाकात को लेकर सरकार पर कटाक्ष किया है और कहा है कि विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी इससे उलझन में हैं कि आखिर ये क्या हो रहा है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मिस्टर रुबियो ने अपने कर्मचारी को मुंबई बुलाया है। मोदी जी, विदेश मंत्रालय में आपके



अधिकारी उलझन में हैं कि आखिर चल क्या रहा है। बेहतर होगा कि आप ही समझा दें। या फिर, अगर आप चाहें तो मैं भी समझ सकता हूं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह किया है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मिस्टर रुबियो ने अपने कर्मचारी को मुंबई बुलाया है। मोदी जी, विदेश मंत्रालय में आपके

उन्हें उम्मीद है कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी वहां मौजूद रहेंगे और दिल्ली से अन्य अधिकारी भी मुंबई पहुंचेंगे। अमेरिकी राजदूत ने रुबियो के इस दौरे को 'अधिक पेशेवरता केन्द्रित' बताया था। हालांकि, विदेश मंत्रालय और विदेश मंत्री एस जयशंकर की ओर से अब तक इस मुद्दे या राहुल गांधी की टिप्पणी पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। इससे पहले गुरुवार को

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया था कि भारत के विदेश मंत्री की देश के भीतर होने वाली संभावित बैठकों की जानकारी विदेश मंत्रालय या उसके आधिकारिक प्रवक्ता की बजाय अमेरिकी राजदूत क्यों दे रहे हैं। उन्होंने इसे असामान्य बताते हुए विदेश मंत्रालय की चुप्पी पर भी सवाल उठाए थे। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो 17 से 22 अक्टूबर तक भारत और उज्बेकिस्तान के दौरे पर रहेंगे। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार वह पहले उज्बेकिस्तान के समरकंद जाएंगे और उसके बाद भारत में मुंबई और जामनगर का दौरा करेंगे। उनके आधिकारिक कार्यक्रम में नई दिल्ली का कोई पड़ाव शामिल नहीं है। इस वर्ष यह उनकी दूसरी भारत यात्रा होगी। इससे पहले मई में वह क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने नई दिल्ली आए थे।

संपादकीय



भारत में सूखे का संकट



भारत में वर्ष 2026 में सूखे की स्थिति गंभीर होती जा रही है। मॉनसून की विदाई के एक महीने के भीतर ही देश के कई हिस्सों में जल संकट के संकेत दिखाई देने लगे हैं। करीब दस वर्षों के अंतराल के बाद देश के बड़े भूभाग में सूखे का प्रभाव सामने आया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का लगभग 70.6 प्रतिशत क्षेत्र किसी न किसी रूप में सूखे से प्रभावित है। इस स्थिति का प्रमुख कारण सामान्य से कम और अनियमित बारिश माना जा रहा है। इस वर्ष देश में सामान्य से करीब 13 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। इसके अलावा, अलनीनो के प्रभाव ने भी परिस्थितियों को चुनौतीपूर्ण बनाया है। देश के 300 प्रमुख जलाशयों में पानी का स्तर कम है, जबकि कई शहरों और ग्रामीण इलाकों में तालाब सूखने लगे हैं। गोवा, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार सहित कई राज्यों में सूखे का व्यापक असर बताया जा रहा है। महाराष्ट्र में 358 में से 265 तालुकाओं को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है। कर्नाटक ने केंद्र सरकार से 11 हजार करोड़ रुपये की सहायता मांगी है, जबकि आंध्र प्रदेश ने भी आर्थिक मदद और सब्सिडी की मांग की है। इतिहास बताता है कि भारत में 1871 से 2026 के बीच 27 सूखे वर्ष दर्ज किए गए हैं। हालांकि, लगातार दो वर्षों तक सूखे की स्थिति बनना अपेक्षाकृत दुर्लभ है। कृषि पर इसका सबसे पहला और सीधा असर पड़ने की आशंका है। सोयाबीन, बागवानी और खरीफ की दूसरी फसलों को नुकसान हो सकता है। कई क्षेत्रों में सोयाबीन की फलियों में दाने विकसित नहीं होने की शिकायतें सामने आई हैं। ऐसे में किसानों की आमदनी प्रभावित होना तय माना जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सूखे के कारण देश में खाद्य संकट पैदा हो सकता है। फिलहाल सरकार के पास गेहूं, चावल, चना और अन्य खाद्यान्नों का पर्याप्त भंडार होने का दावा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत करीब 81.5 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। बाजार में भी खाद्यान्नों की तत्काल कमी के संकेत नहीं हैं। इसलिए निकट भविष्य में व्यापक खाद्य संकट की आशंका सीमित दिखाई देती है। हालांकि, यदि सूखे का प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है, तो खाद्य उत्पादन, कीमतों और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान अब लगभग 16 प्रतिशत रह गया है, जबकि स्वतंत्रता के समय यह करीब 52 प्रतिशत था। इसके बावजूद देश की बड़ी आबादी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। किसानों की आय का बड़ा हिस्सा खेती के बजाय मजदूरी से आता है। देश के लगभग 86 प्रतिशत किसानों के पास औसतन एक हेक्टेयर से भी कम जमीन है। ऐसे छोटे किसानों के लिए लगातार फसल खराब होना आर्थिक संकट को और गहरा सकता है। सिंचाई के लिए नलकूपों और छोटे बांधों का इस्तेमाल बढ़ा है, लेकिन कई इलाकों में भूजल स्तर पहले ही काफी नीचे जा चुका है। निजी बोरिंग कराने के बावजूद पानी उपलब्ध नहीं होने से समस्या और गंभीर हो सकती है। पेयजल की कमी के साथ पशुओं के चारे का संकट भी बढ़ रहा है। मजबूरी में कुछ किसान अपने मवेशियों को कम कीमत पर बेचने के लिए विवश हो सकते हैं। इसका असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था, पशुपालन और किसानों की भविष्य की कमाई पर पड़ेगा। सूखे की चुनौती से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, सिंचाई व्यवस्था में सुधार और प्रभावित किसानों को समय पर आर्थिक सहायता देने पर विशेष ध्यान देना होगा। फसल बीमा और रोजगार सहायता योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है। जलाशयों और भूजल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग के साथ सूखा प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल तथा पशुचारे की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। सूखे का अंतिम आर्थिक प्रभाव आने वाले महीनों में स्पष्ट होगा, लेकिन मौजूदा परिस्थितियां बताती हैं कि समय रहते ठोस कदम उठाना आवश्यक है।

ओम बिरला, शाह व अन्य ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के स्थापना दिवस पर जवानों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने शुक्रवार को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के स्थापना दिवस पर जवानों को शुभकामनाएं दी। ओम बिरला ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के स्थापना दिवस पर देश की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाले जाँबाज कमांडोज का अभिवादन। आतंकवाद और गंभीर सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए गठित इस विशिष्ट बल ने अदम्य साहस, उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और असाधारण दक्षता से



अपनी पहचान बनाई है। आतंकवाद-रोधी अभियानों से लेकर उच्च जोखिम वाले सुरक्षा दायित्वों तक, उनकी

तत्परता, सटीक रणनीति और टीमवर्क उन्हें देश की सुरक्षा क्षमताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हैं। 'सर्वत्र

सर्वोत्तम सुरक्षा' के ध्येय के साथ राष्ट्र की रक्षा में जुटे एनएसजी के सभी जवानों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएँ। अमित शाह ने कहा कि एनएसजी के योद्धाओं ने भारत के सामने आए हर आतंकी खतरे को तूफानी तेवर के साथ नेस्तनाबूद किया है और अटूट साहस, बेहतरीन पेशेवर क्षमता तथा गाथा लिखी है। आपकी वीरता और रक्षा की है। संसदीय मामलों के मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि देश के 'ब्लैक कैट कमांडो' असाधारण साहस, अनुशासन और समर्पण के प्रतीक हैं। राष्ट्र को सुरक्षित रखने और हर खतरे

के सामने मजबूती से डटे रहने के उनके संकल्प को नमन करते हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि एनएसजी के सभी जाँबाजों ने अपने असाधारण समर्पण और निःस्वार्थ सेवाभाव से ध्येय वाक्य 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' को चरितार्थ करते हुए साहस और शौर्य की नई गाथा लिखी है। आपकी वीरता और कर्तव्यनिष्ठा पर हर भारतीयों को गर्व है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश की रक्षा के लिए आपका अदम्य साहस और समर्पण सभी के लिए प्रेरणा है।

नशामुक्त उत्तराखंड की दिशा में गुटखा-तंबाकू प्रतिबंध जरूरी

सौरभ वार्णाय

युवाओं का स्वास्थ्य, प्रशासन की जवाबदेही और प्रतिबंध के प्रभावी क्रियान्वयन से ही साकार होगा। स्वस्थ देवभूमि का संकल्प धामी सरकार के लिए अच्छे दिशा में ले जाने वाला निर्णय है। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है। इसकी पहचान केवल धार्मिक आस्था, आध्यात्मिक परंपराओं और प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वस्थ समाज और संस्कारित युवा पीढ़ी भी इसकी वास्तविक शक्ति है। ऐसे में गुटखा, पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कदम को केवल सरकारी आदेश के रूप में नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इन उत्पादों के निर्माण और बिक्री पर एक वर्ष का प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचना और समाज को तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है। तंबाकू का सेवन आज एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बन चुका है। गुटखा और अन्य तंबाकू उत्पादों की आसान उपलब्धता के कारण बड़ी संख्या में लोग इसकी आदत का शिकार हो जाते हैं। विशेष रूप से किशोरों और युवाओं में इसका बढ़ता प्रचलन चिंता का विषय है। शुरुआत अक्सर शौक, मित्रों के दबाव या प्रयोग के रूप में होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह आदत स्वास्थ्य और आर्थिक जीवन दोनों को प्रभावित करने लगती है। तंबाकू का सेवन मुंह के कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ाता है। इससे न केवल व्यक्ति का जीवन प्रभावित होता है, बल्कि परिवार पर उपचार का आर्थिक बोझ भी पड़ता है। ऐसी स्थिति में सरकार का दायित्व केवल कानून बनाना नहीं, बल्कि लोगों को उन परिस्थितियों से बचना भी है जो उन्हें गंभीर बीमारियों और व्यसनों की ओर धकेलती हैं। यदि प्रतिबंध के माध्यम से तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता कम होती है और युवाओं को इनके सेवन से दूर रखने में मदद मिलती है, तो यह जनहित में महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। हालांकि, किसी भी प्रतिबंध की सफलता उसके घोषित उद्देश्य से नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देने वाले परिणामों से तय होती है। सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस निर्णय



को प्रभावी ढंग से लागू करने की होगी। केवल अधिसूचना जारी कर देने से बाजार में तंबाकू उत्पादों की उपलब्धता समाप्त नहीं हो जाती। इसके लिए निर्माण इकाइयों, थोक विक्रेताओं, दुकानों और वितरण व्यवस्था पर नियमित निगरानी आवश्यक है। यदि प्रतिबंधित उत्पाद चोरी-छिपे बिकते रहे, तो सरकारी निर्णय का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाएगा। प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई हो। साथ ही, प्रतिबंध के नाम पर अनावश्यक उत्पीड़न या मनमानी की गुंजाइश भी नहीं होनी चाहिए। कार्रवाई पर दारदशी, निष्पक्ष और कानूनसम्मत होनी चाहिए। संबंधित विभागों के बीच समन्वय तथा आम जनता की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई से इस अभियान को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। यह भी जरूरी है कि प्रतिबंध के दौरान अवैध बिक्री और दूसरे उत्पादों के नाम पर प्रतिबंधित सामग्री की आपूर्ति जैसी संभावित चुनौतियों पर नजर रखी जाए। सरकार को समय-समय पर इसकी समीक्षा करनी चाहिए, ताकि यह पता चल सके कि प्रतिबंध से वास्तव में खपत में कितनी कमी आई और युवाओं को कितना लाभ मिला। किसी भी नशे की आदत को केवल कानूनी कार्रवाई से पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। तंबाकू की लत से जुड़ा रहे लोगों को परामर्श, उपचार और परिवार के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। इसलिए राज्य सरकार को स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। युवाओं को तंबाकू के नुकसान समझाने के साथ-साथ खेल, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों से जोड़ना भी जरूरी है। मुख्यमंत्री धामी ने युवाओं को प्रगति के

अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया है। इस दिशा में सरकार को ठोस कार्यक्रमों के माध्यम से आगे बढ़ना चाहिए। जब युवाओं के सामने बेहतर भविष्य के विकल्प होंगे, तब वे नकारात्मक आदतों से दूर रहने के लिए अधिक प्रेरित होंगे। नशामुक्ति केंद्रों, स्वास्थ्य सेवाओं और परामर्श सुविधाओं को मजबूत बनाना भी इस अभियान का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए राज्यों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उत्तराखंड जैसे राज्य में, जहां पर्यटन, तीर्थयात्रा और आध्यात्मिक जीवन की विशेष पहचान है, वहां स्वस्थ जीवनशैली का संदेश और भी व्यापक प्रभाव डाल सकता है। लेकिन नशामुक्ति का अर्थ केवल गुटखा और तंबाकू तक सीमित नहीं होना चाहिए। शराब, मादक पदार्थों और अन्य व्यसन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए भी जागरूकता, रोकथाम और पुनर्वास की समग्र नीति आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक बैठक में मानसून के बाद जनजीवन सामान्य बनाने और खराब सड़कों की शीघ्र मरम्मत के निर्देश भी दिए हैं। यह विषय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उत्तराखंड में बारिश, भूस्खलन और क्षतिग्रस्त सड़कों के कारण अनेक क्षेत्रों में आवागमन प्रभावित होता है। ग्रामीणों, विद्यार्थियों, मरीजों और तीर्थयात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए सड़कों की मरम्मत केवल विकास कार्य नहीं, बल्कि जनसुखा और आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता से जुड़ा विषय है। जन चौपाल, रात्रि चौपाल और तहसील दिवस के माध्यम से जनता की समस्याएं सुनने का निर्देश भी तभी सार्थक होगा, जब अधिकारी वास्तव में गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचें। जनता को बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें

पंजाब नेशनल बैंक का दूसरी तिमाही में मुनाफा 12.8 प्रतिशत बढ़कर 5,532 करोड़ रुपये

संवाददाता

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 5,532 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया है। सितंबर 2026 में समाप्त तिमाही में बैंक का मुनाफा पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 4,904 करोड़ रुपये की तुलना में 12.8 प्रतिशत बढ़ा है। बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 10.8 प्रतिशत बढ़कर 11,601 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष इसी तिमाही में 10,469 करोड़ रुपये थी। वहीं, बैंक का शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) जून तिमाही के 2.50 प्रतिशत से बढ़कर सितंबर तिमाही में 2.58 प्रतिशत हो गया। पीएनबी का परिचालन लाभ भी सालाना आधार पर 4.2 प्रतिशत बढ़कर 7,532 करोड़ रुपये पहुंच गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 7,227 करोड़ रुपये था। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार दर्ज किया गया है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों यानी जीएनपीए का अनुपात 2.78 प्रतिशत से घटकर 2.55 प्रतिशत रह गया। इसी तरह शुद्ध एनपीए का अनुपात 0.28 प्रतिशत से घटकर 0.25 प्रतिशत हो गया। खराब कर्ज के लिए प्रावधान में भी बड़ी कमी आई है। सितंबर तिमाही में इसके लिए बैंक ने 97 करोड़ रुपये का प्रावधान किया, जो पिछले



वित्त वर्ष की समान तिमाही के 643 करोड़ रुपये से 84.9 प्रतिशत कम है। जून तिमाही में यह राशि 541 करोड़ रुपये थी। कुल एनपीए अनुपात में सुधार के बावजूद बैंक के नए खराब कर्ज के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। सितंबर तिमाही में फ्रेश स्लिपेज 2,233 करोड़ रुपये रहा, जो जून तिमाही के 1,996 करोड़ रुपये से 11.9 प्रतिशत अधिक है। पिछले वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में फ्रेश स्लिपेज 1,812 करोड़ रुपये था। इस लिहाज से सालाना आधार पर नए खराब कर्ज में 23.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। पीएनबी के तिमाही नतीजों में मुनाफे, ब्याज आय और कुल एनपीए अनुपात में सुधार दिखा है, लेकिन नए एनपीए में बढ़ोतरी बैंक के कर्ज पोर्टफोलियो पर लगातार निगरानी की जरूरत भी दर्शाती है।

और शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण हो। सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास कार्यों की निगरानी, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल रहना चाहिए। लोकतंत्र में सरकार की विश्वसनीयता घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके क्रियान्वयन से बनती है। गुटखा और तंबाकू पर एक वर्ष का प्रतिबंध एक महत्वपूर्ण पहल हो सकती है, लेकिन इसका वास्तविक मूल्यांकन तभी संभव है जब बाजार में उपलब्धता घटे, युवाओं में सेवन कम हो और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़े। उत्तराखंड देवभूमि को नशामुक्त

बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकार या प्रशासन की नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की है। अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों और युवाओं को भी इसमें अपनी भूमिका निभानी होगी। सरकार को प्रतिबंध के प्रभावों की नियमित समीक्षा कर उसके परिणाम जनता के सामने रखने चाहिए। यदि सख्त निगरानी, जनजागरूकता, उपचार और बेहतर अवसरों को साथ लेकर चला जाए, तो यह पहल स्वस्थ उत्तराखंड की दिशा में ठोस कदम बन सकती है। देवभूमि की असली पहचान तभी मजबूत होगी, जब यहां की युवा पीढ़ी नशे से मुक्त, स्वस्थ, शिक्षित और अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त होगी।



एल.आई.सी
भारतीय जीवन बीमा
से संबंधित किसी भी
जानकारी या समस्या
समाधान हेतु संपर्क करें।
-भारत सिंह
मो. 9967255741

महत्वपूर्ण सूचना

विज्ञापन प्रति के स्वीकृति पूर्व एहतियातन बरती जाने के बावजूद, उसमें अंतर्भूत बाते जाँचना संभव नहीं है। ऐसी अंतर्भूत बातों के लिए दैनिक स्वर्णिम प्रदेश के अंतर्गत समाचार पत्र या प्रकाशनों में आनेवाली कंपनियां, संस्थाएं या व्यक्तिगत विज्ञापनों के साथ हुए किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए समाचार पत्र जिम्मेदार नहीं है।

आज का राशिफल

मेष: रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। नौकरी करने वालों को ऐच्छिक स्थानांतरण एवं पदोन्नति मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें।

वृषभ: फालतू खर्च होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। नवीन मुलाकातों से लाभ होगा। आमदनी बढ़ेगी। रुका धन मिलने से निवेश में वृद्धि होने के योग हैं। उदर संबंधी विकार हो सकते हैं।

मिथुन: विवाद से क्लेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी। व्यसनाधीनता से बचें। व्यापार, रोजगार मध्यम रहेगा।

कर्क: घर-बाहर तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जल्दबाजी न करें। नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। किसी मामले में कटु अनुभव मिल सकते हैं। सरकारी, कानूनी विवाद सुलझेंगे। जोखिम, लोभ, लालच से बचें। नया काम, व्यवसाय आदि की बात बनेगी।

सिंह: धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। कानूनी बाधा दूर होकर लाभ होगा। पूँजी निवेश बढ़ेगा। पहले किए गए कार्यों का लाभदायी फल आज मिल सकेगा। संतान के कामों से खुशी होगी। व्यापार-व्यवसाय में तरक्की होगी।

कन्या: चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार की स्थिति अच्छी रहेगी। रचनात्मक काम करेंगे। कर्मचारियों पर निगाह रखें। परिवार की समस्या का उचित समाधान होगा।

तुला: शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। भागदौड़ रहेगी। घर-परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। कार्यकुशलता सहयोग से लाभान्वित होंगे। काम में मन लगेगा। स्वयं का सोच अनुकूल रहेगा। रिश्तेदारों से संबंधों की मर्यादा बनाए रखें।

वृश्चिक: चोट व रोग से बाधा संभव है। बेचैनी रहेगी। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। रोजगार मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। सोचे कामों में मनचाही सफलता मिलेगी। व्यापारिक निर्णय समय पर लेना होंगे। पुरानी बीमारी उभर सकती है।

धनु: पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। नए कार्यों, योजनाओं की चर्चा होगी। लाभदायी समाचार आएँगे। समाज में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। साहस, पराक्रम बढ़ेगा। विश्वासप्रद माहौल रहेगा।

मकर: पुराना रोग उभर सकता है। भागदौड़ रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। धैर्य रखें। अस्वस्थता बनी रहेगी। खुद के प्रयत्नों से ही जनप्रियता एवं सम्मान मिलेगा। रोजगार के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेंगी। स्थायी संपत्ति संबंधी खटपट हो सकती है।

कुंभ: प्रयास सफल रहेंगे। प्रशंसा प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय अच्छा चलेगा। कार्य क्षेत्र में नई योजनाओं से लाभ होगा। लगन, मेहनत का उचित फल मिल सकेगा। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। विवाद सुलझेंगे।

मीन: पुराने संगी-साथियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। परिश्रम का पूरा परिणाम मिलेगा। अच्छी व सुखद स्थितियाँ निर्मित होंगी। विरोधी आपकी छवि खराब करने का प्रयास कर सकते हैं। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

शिक्षा से केवल पढ़े-लिखे नहीं, अधिकार और कर्तव्य समझने वाले जिम्मेदार नागरिक तैयार हों : मुख्यमंत्री फडणवीस

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शिक्षित व्यक्ति तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसा नागरिक बनाना होना चाहिए, जो अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझे, समाज के प्रति संवेदनशील हो और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करे। शिक्षा के माध्यम से समाज के प्रति समर्पित और नैतिक मूल्यों का पालन करने वाले नागरिक तैयार होंगे, तभी देश की प्रगति को वास्तविक गति मिलेगी। शुक्रवार को मुख्यमंत्री फडणवीस मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) की ओर से शुरू की गई 'सुजाण नागरिक-सक्षम भारत (स्मार्ट नागरिक)' शैक्षणिक पहल के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। दादर पश्चिम स्थित मुंबई पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री फडणवीस और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने नागरिक शास्त्र एवं संवैधानिक मूल्यों पर आधारित 'स्मार्ट नागरिक' तथा भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के जीवन पर आधारित 'विद्यार्थी प्रेरणा' पुस्तिकाओं का विमोचन किया। इस अवसर पर मुंबई की महापौर रितु तावडे, उपमहापौर संजय घाडी, विधायक अमित साटम, महेश सावंत, कालिदास कोलंबकर, शिक्षा समिति



की अध्यक्ष राजश्री शिरवडकर, बीएमसी आयुक्त अश्विनी भिडे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

संविधान के अधिकारों के साथ कर्तव्यों का पालन भी जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के विद्यार्थियों को विभिन्न संचार माध्यमों से दुनिया भर की जानकारी आसानी से उपलब्ध हो रही है। इससे एक जागरूक और प्रतिभाशाली पीढ़ी तैयार हो रही है, लेकिन विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और कर्तव्य की भावना विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा विकसित व्यवस्थाओं के कारण ही व्यक्ति को शिक्षा और अपने व्यक्तित्व के विकास के अवसर मिलते हैं। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को यह

समझना चाहिए कि समाज के प्रति उसकी भी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा देश को दिया गया संविधान भारत की प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि उसके सिद्धांतों को जीवन में उतारना आवश्यक है। न्याय, समानता और समान अवसर जैसे संवैधानिक मूल्य विविध भाषाओं, जातियों, धर्मों और संस्कृतियों वाले भारत को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों को संविधान से प्राप्त अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों की जानकारी होनी चाहिए। अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और न्याय प्राप्त करने के लिए संवैधानिक मार्ग अपनाना आवश्यक है।

योगदान की सराहना करते हुए कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया।

बचपन से ही विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्य विकसित हों: भूषण गवई

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने कहा कि भारतीय संविधान ने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संविधान की प्रस्तावना में शामिल न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के मूल्यों को बच्चों के मन में कम उम्र से ही विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के साथ दूसरों की स्वतंत्रता और अधिकारों का भी सम्मान करना चाहिए। सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों का पालन जिम्मेदार नागरिक बनने के महत्वपूर्ण पहलू हैं। गवई ने छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने बीएमसी की ओर से 50 मेधावी विद्यार्थियों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) विषयों के अध्ययन के लिए सिंगापूर भेजने की योजना की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि आर्थिक परिस्थितियों के कारण प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अवसरों से वंचित नहीं रहना चाहिए।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में बैंकों और वित्तीय संस्थानों की भूमिका निर्णायक: राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा



संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि बैंक और वित्तीय संस्थान राष्ट्र निर्माण के महत्वपूर्ण भागीदार हैं। उद्योगों को वित्तीय सहायता और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को आर्थिक सहयोग देकर ये संस्थान रोजगार सृजन तथा समावेशी विकास को गति प्रदान करते हैं। विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में देश के बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की भूमिका निर्णायक होगी। शुक्रवार को राज्यपाल वर्मा मुंबई के वल्ली में एसोचैम द्वारा आयोजित बैंकिंग एवं वित्तीय क्षेत्र की ऋण प्रदाता संस्थाओं के 21वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक प्रगति के लिए वित्तीय सेवाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना आवश्यक है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन योजना, आधार, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी)

और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसी पहलों से देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। हालांकि, ग्रामीण परिवारों, वंचित वर्गों और छोटे उद्यमियों को किफायती ऋण, बीमा तथा पेंशन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए अभी और प्रयास करने की आवश्यकता है। त्रिपुरा में महिला स्वयं सहायता समूहों के अनुभवों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं की आर्थिक क्षमताओं पर विश्वास कर उन्हें पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने से परिवारों की आय बढ़ने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल सकती है। उन्होंने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समय पर और किफायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

मुंबई मेट्रो-3 के यात्रियों के लिए देश का पहला 'मेट्रो पासपोर्ट' लॉन्च, 10 स्टेशनों पर बिक्री शुरू



संवाददाता

मुंबई। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) ने एक्वा लाइन (मेट्रो-3) के यात्रियों के लिए देश के पहले 'मेट्रो पासपोर्ट' और स्टेशन स्टैम ट्रेल की बिक्री शुरू कर दी है। शुक्रवार से शुरू की गई इस अनूठी पहल के तहत यात्री अब मेट्रो यात्रा के दौरान विभिन्न स्टेशनों की विशेष मुहरें एकत्र कर सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य मुंबईवासियों और पर्यटकों के लिए मेट्रो यात्रा को अधिक आकर्षक और यादगार बनाना है। एमएमआरसी के अनुसार, विशेष 'एक्वा लाइन पासपोर्ट' को मेट्रो-3 के पूर्ण संचालन की पहली वर्गगांट के अवसर पर पेश किया गया है। सीमित संस्करण में उपलब्ध इस पासपोर्ट की कीमत 250 रुपये निर्धारित की गई है। इसे केवल डिजिटल भुगतान के माध्यम से खरीदा जा सकेगा। यह पासपोर्ट कफ परेड, चर्चंगेट, हुतात्मा चौक, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) मेट्रो, वल्ली, सिद्धिविनायक, धारावी, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी), छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा टर्मिनल-2 (सीएसएमआईए-टी2) और मरोळ नाका सहित कुल 10 मेट्रो स्टेशनों पर उपलब्ध कराया गया है। एमएमआरसी ने बताया कि पासपोर्ट की बिक्री 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर की जाएगी। इसमें पोस्टकार्ड की शैली में आकर्षक कलाकृतियां और विभिन्न मेट्रो स्टेशनों की मुहरें संग्रह करने के लिए अलग पृष्ठ दिए गए हैं। यात्री एक्वा लाइन के अलग-अलग स्टेशनों पर जाकर निर्धारित स्थानों से विशेष स्टैम प्राप्त कर सकेंगे। इस तरह उनका मेट्रो पासपोर्ट मुंबई की भूमिगत मेट्रो यात्रा की यादों का संग्रह बन सकेगा। एमएमआरसी के मुताबिक, इस पहल के साथ मुंबई की एक्वा लाइन देश की पहली ऐसी मेट्रो सेवा बन गई है, जिसका अपना स्वतंत्र मेट्रो पासपोर्ट और स्टेशन आधारित स्टैम ट्रेल है। मेट्रो प्रशासन का मानना है कि इस नई पहल से यात्रियों, विशेषकर युवाओं, परिवारों और पर्यटकों को मुंबई मेट्रो-3 के विभिन्न स्टेशनों से जुड़ने का नया अनुभव मिलेगा। साथ ही मेट्रो यात्रा को केवल परिवहन के साधन तक सीमित न रखकर एक यादगार अनुभव बनाने में मदद मिलेगी।

पोषण रसोई प्रतियोगिता में मुंबई की प्रतिभा भालेराव ने हासिल किया पहला स्थान

संवाददाता

मुंबई। राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अवसर पर 'सभी के लिए भोजन और पोषण' की संकल्पना के तहत आयोजित 'पोषण रसोई प्रतियोगिता' में मुंबई के घाटकोपर की आंगनवाड़ी सेविका प्रतिभा राहुल भालेराव और समुदाय की महिला दीपाली संदीप तांबे ने प्रथम स्थान हासिल किया। शुक्रवार को कॉर्प चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में दोनों ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों से विशेष थाली तैयार की थी। विजेता थाली में टीएचआर खिचड़ी, टीएचआर पराठा, सहजन के पत्तों की चटनी, मिश्रित सब्जियों की चाट और टीएचआर लड्डू शामिल थे। इन व्यंजनों को पोषण, स्वाद, स्वच्छता और घरेलू स्तर पर आसानी से तैयार किए जाने के आधार पर सराहा गया। प्रतियोगिता में पालघर की



यमुना सुरेश मिसाल और प्रमिला सुभाष मिसाल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि गडचिरोली की कविता रामू दुगा और पूजा रंजीत नारोटे की टीम तीसरे स्थान पर रही। फाउंडेशन के 'पहले 1,000 दिन' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के पालघर,

नंदुरबार, गडचिरोली, कर्जत और मुंबई सहित पांच परियोजना क्षेत्रों की कुल 350 महिलाओं ने भाग लिया। इन महिलाओं ने 175 टीमों के माध्यम से विभिन्न पौष्टिक व्यंजन तैयार किए। प्रतियोगिता का अंतिम चरण 4 अक्टूबर 2026 को मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें चयनित

14 टीमों ने हिस्सा लिया। व्यंजनों का मूल्यांकन पोषण मूल्य, टेक होम राशन (टीएचआर) के उचित उपयोग, स्वच्छता, लागत, स्वाद और घर में दोबारा आसानी से तैयार किए जाने की क्षमता के आधार पर किया गया। अंतिम निर्णायक मंडल में महाराष्ट्र की एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) आयुक्त माधवी सरदेशमुख, पोषण विशेषज्ञ एवं शैक्षणिक सलाहकार डॉ. अनुराधा मिश्रा तथा ट्रेवल फूड सर्विसेज के कॉर्पोरेट शेफ राजेश शेट्टी शामिल थे। प्रतियोगिता का उद्देश्य महिलाओं और आंगनवाड़ी सेविकाओं को उपलब्ध पोषण सामग्री का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना और कम खर्च में पौष्टिक भोजन तैयार करने के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में विशेष रूप से माताओं और बच्चों के पोषण के महत्व पर जोर दिया गया।

UP से 8 लाख रुपये का गांजा लेकर ठाणे आए दो तस्कर गिरफ्तार

ठाणे। उत्तर प्रदेश से महाराष्ट्र के उल्हासनगर शहर में गांजा तस्करी करने आए दो गांजा तस्करों को मध्यवर्ती (सेंट्रल) पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से पुलिस ने करीब 15 किलो गांजा जब्त किया है, जिसकी बाजार में कीमत 7 से 8 लाख रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई से शहर में नशे की तस्करी करने वालों में हड़कंप मचा है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश से दो गांजा तस्कर युवक बड़े पैमाने पर गांजा लेकर उल्हासनगर आने वाले हैं, ऐसी गोपनीय जानकारी मध्यवर्ती पुलिस स्टेशन के डीपी पथक को मिली थी। जानकारी को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में मध्यवर्ती पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली और पुलिस निरीक्षक शीतल वाघमारे के नेतृत्व में पुलिस ने कार्रवाई की योजना बनाई।

दो सूचीबद्ध कंपनियों से जुड़े कथित शेयर हेरफेर मामले में ED की 29 ठिकानों पर छापेमारी

संवाददाता

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने दो सूचीबद्ध कंपनियों आर एम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर्स सिस्टम्स लिमिटेड और आर एंड बी डेनिम्स लिमिटेड से जुड़े कथित शेयर हेरफेर और निवेश धोखाधड़ी के मामले में शुक्रवार को छह शहरों के 29 ठिकानों पर छापेमारी की। कार्रवाई ED के मुंबई जोनल ऑफिस-1 ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (PMLA) के तहत की। ED की जांच कथित 'पंप-एंड-ड्रॉप' योजना पर केंद्रित है। एजेंसी को संदेह है कि चुनिंदा व्यक्तियों और संस्थाओं को शेयर तथा कन्वर्टिबल वारंट आवंटित करने के बाद शेयरों की कीमत कृत्रिम रूप से बढ़ाई गई। इसके बाद व्हाट्सएप ग्रुपों के जरिए इन शेयरों का प्रचार कर बड़ी संख्या में खुदरा निवेशकों को खरीदारी के लिए आकर्षित किया गया। जांच के अनुसार, अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के बीच दोनों कंपनियों ने कुछ चुनिंदा लोगों और संस्थाओं को 3.5 करोड़ से अधिक शेयर और कन्वर्टिबल वारंट जारी किए थे। इन प्रतिभूतियों की खरीद के लिए इस्तेमाल धन कथित तौर पर आपस में जुड़े व्यक्तियों, फर्मों और कर्जदाताओं के सीमित नेटवर्क से आया था।

मुंबई समेत छह शहरों में कार्रवाई

ED ने मुंबई, नाशिक, अमरावती, महाराष्ट्र, गुवाहाटी, नाशिक, सूरत और भावनगर में, गांधीनगर, सूरत और भावनगर में कंपनियों के कार्यालयों, प्रमोटरों के आवास, कम कीमत पर शेयर हासिल



करने वाले लोगों, स्टॉक ब्रोकिंग और फाइनेंस कंपनियों तथा कथित व्हाट्सएप प्रचार अभियान से जुड़े व्यक्तियों के ठिकानों पर तलाशी ली। छापेमारी के दौरान शेयर लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और संपत्तियों से संबंधित कागजात जब्त किए गए हैं। एजेंसी इन दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है।

व्हाट्सएप से शेयर खरीदने की दी जाती थी सलाह

ED की जांच में सामने आया है कि दिसंबर 2025 के अखिर से फरवरी 2026 के बीच 'मल्टीबैगर स्टॉक्स' सहित विभिन्न व्हाट्सएप कम्युनिटीज के जरिए दोनों कंपनियों के शेयर खरीदने की नियमित सलाह दी जा रही थी। एजेंसी के अनुसार, इस प्रचार के बाद इन शेयरों के खरीदारों की संख्या करीब 3,400 से बढ़कर एक लाख से अधिक हो गई। जांच में यह भी सामने आया कि इन व्हाट्सएप ग्रुपों के संचालन में इस्तेमाल कुछ सिम कार्ड हरियेणा और मुंबई में दूसरे लोगों के नाम पर पंजीकृत थे, लेकिन कथित रूप से इन्हें गुजरात के भावनगर से संचालित किया जा रहा था।

स्वच्छता अभियान: मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर प्लास्टिक बोतल क्राशिंग मशीनें शुरू

संवाददाता

मुंबई। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा 2026 का समापन स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विभिन्न पहलों के साथ हुआ। इस दौरान मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर प्लास्टिक कचरे के उचित निपटान और रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने के लिए दो प्लास्टिक बोतल क्राशिंग मशीनें शुरू की गईं। मुंबई सेंट्रल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) पंकज सिंह ने वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदिश पटनायक और अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों की उपस्थिति में इन मशीनों का उद्घाटन किया।



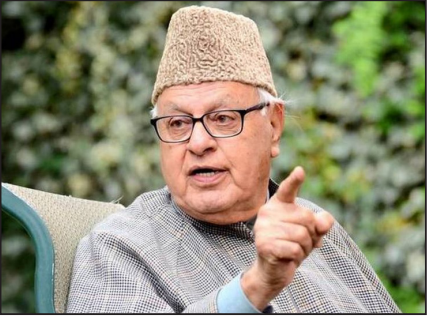
पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, स्वच्छता पखवाड़े के दौरान कचरा प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण, खाद्य सुरक्षा और यात्री सुविधाओं की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया। ऑन बोर्ड हाउसकीपिंग सर्विस (ओबीएचएस) के कर्मचारियों, पेट्री स्टाफ,

विक्रेताओं और सफाई कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया। जोगेश्वरी, बोरीवली, गोरेगांव, मालाड, खार रोड और अंधेरी सहित विभिन्न स्टेशनों पर गीले, सूखे, सेनेटरी और हानिकारक कचरे को अलग-अलग एकत्र करने की व्यवस्था पर जोर दिया गया। अभियान के तहत मुंबई सेंट्रल और बांद्रा टर्मिनस कोचिंग डिपो में मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के डिब्बों की अंदरूनी और बाहरी सफाई की गई। नंदुरबार में भी कोचों और यार्ड की सफाई की गई। रेलवे पटरियों के आसपास उगी अनावश्यक घास-फूस हटाने के साथ रेलवे कॉलोनियों में सड़कों, नालियों और सार्वजनिक

स्थानों की सफाई की गई। यात्रियों की सेहत को ध्यान में रखते हुए मेडिकल और स्वास्थ्य टीमों ने मरीन लाइन्स, बांद्रा टर्मिनस सहित विभिन्न स्टेशनों पर फूड स्टॉल, बेस किचन और खानपान इकाइयों का निरीक्षण किया। भोजन और पेयजल के नमूने लेकर गुणवत्ता की जांच की गई। विक्रेताओं को खाद्य पदार्थों के सुरक्षित रखरखाव और व्यक्तिगत स्वच्छता के नियमों की जानकारी दी गई। इसके अलावा, स्टेशनों और रेलवे कॉलोनियों में अवशेष क्लोरीन तथा एच2एस टेस्ट किट के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता भी जांची गई।

Farooq Abdullah Slams IAS Officer Over Misconduct With Woman Officer

SRINAGAR: National Conference president Dr Farooq Abdullah on Friday said he felt ashamed after watching a video of an IAS officer misbehaving with a woman officer, calling his conduct unbecoming of a senior administrative official. Speaking to reporters in Srinagar, Dr Farooq Abdullah, said the language used by the officer was unacceptable and reflected a lack of the discipline and professionalism expected of an IAS officer. 'The language he used with the woman officer was extremely inappropriate. He should be reprimanded. This shows that he lacks the manners and conduct expected of an officer,' he said. Dr Farooq said officers were appointed to serve the public, listen to their grievances and resolve their problems rather than insult or humiliate them. 'People want to express their grievances, and officers should hear them patiently. Instead, he directly said, 'Get out, get out.' This is completely wrong. He should be removed from Jammu



and Kashmir,' he said. Expressing dismay over the incident, Abdullah said, 'When I saw the incident on social media today, I felt ashamed. His behaviour was completely unbecoming of an IAS officer. He has put the entire administrative community in an embarrassing position.' Asked whether such incidents occurred during his tenure as Chief Minister, Abdullah said no officer or minister had the right to insult people. 'Whether someone is an officer or a minister, they are here to serve the people and resolve their difficulties, not to insult or abuse them,' he said. Backing Chief Minister Omar Abdul-

lah's remarks that such an incident would not have occurred had Jammu and Kashmir retained its statehood, Farooq Abdullah said he would have taken stronger action against the officer. 'He would not merely have been attached. He would have been thrown out. If I had been in office, he would not have remained in Jammu and Kashmir for more than a few minutes. I would have put him back on a plane and sent him away,' he said. He said the incident reflected changes in the administrative functioning of Jammu and Kashmir since 2019. On protests in Delhi, Abdullah welcomed the demonstrations, saying a new wave was emerging against what he described as autocracy. 'I think these protests are very good. A new wave is beginning against autocracy and against a Hitlerian way of life,' he said. Dr Farooq futher urged US President Donald Trump to recognise dialogue and negotiations as the only viable means of resolving disputes.

Heavy Rain Alert in Andhra Pradesh and Telangana Till October 20

HYDERABAD: The India Meteorological Department (IMD) has forecast heavy rainfall, thunderstorms and gusty winds in parts of Andhra Pradesh and Telangana over the coming days under the influence of a cyclonic circulation over South Coastal Andhra Pradesh and adjoining areas. According to the IMD's weather bulletin issued on Friday, strong winds of 30-50 kmph, with gusts reaching 60 kmph, are likely at isolated places across Coastal Andhra Pradesh, Yanam, Rayalaseema and Telangana from October 16 to 20. The weather department has forecast thunderstorms, lightning and gusty winds of 30-40 kmph, with gusts up to 50 kmph, in Coastal Andhra Pradesh, Yanam and Rayalaseema on October 16. Wind speeds are expected to rise to 40-50 kmph, with gusts reaching 60 kmph, on October 17 and 18. Strong surface winds are also likely in these regions during the period. The IMD said an upper-air cyclonic circulation was prevailing over South Coastal Andhra Pradesh and neighbouring areas in the lower tropospheric levels, with a trough extending from the system towards the northwest Bay of Bengal. Telangana is likely to receive isolated to scattered rain-



fall from October 16 to 22, while thunderstorms, lightning and gusty winds may occur at isolated places until October 20. The department warned that heavy rain and strong winds could cause waterlogging in low-lying areas, damage standing crops and vulnerable structures, and disrupt road and rail traffic. The wet spell over South Peninsular India is expected to continue until October 22. In the 24 hours preceding the bulletin, very heavy rainfall of 12-20 cm was recorded in parts of Tamil Nadu and Coastal Karnataka, while heavy rainfall of 7-11 cm was reported in Chhattisgarh, Kerala and South Karnataka, the IMD said.

MCD Introduces Robotics and Digital Learning Initiatives in Schools

NEW DELHI: The Municipal Corporation of Delhi (MCD) has begun distributing printers across its 1,500 schools. A robotics laboratory was also inaugurated at an MCD school in Tagore Garden on Friday. In another initiative to connect students with modern technology and digital education, a 'Science on Wheels' van equipped with 60 laptops has been launched. These initiatives aim to modernise teaching in municipal schools and provide stu-

dents with new opportunities in science, technology and innovation. Under the guidance of Chief Minister Rekha Gupta, with the support of Mayor Pravesh Wahi and under the leadership of Education Committee Chairman Advocate Yogesh Verma, efforts are being made to expand digital education and provide modern teaching resources in MCD schools. The printer distribution initiative is being undertaken with the support of IDBI



Bank. The printers will help teachers prepare question papers, study materials and other educational documents more efficiently. The robotics laboratory established at the MCD school in Tagore Garden will give

students an opportunity to gain practical knowledge of robotics, coding and scientific concepts. A special strategy is also being developed to extend the benefits of the museum established at the school to a larger

number of students, with the aim of encouraging scientific curiosity and creativity among children. The 'Science on Wheels' van will visit various MCD schools according to a scheduled programme. Equipped with 60 laptops, the van will familiarise students with digital resources and provide practical exposure to technology. The initiative is expected to help extend modern learning facilities to students across different municipal schools.

Several projects have also been proposed for the financial year 2026-27 under the Corporate Social Responsibility (CSR) initiatives of public sector undertakings to improve basic facilities in MCD schools and public spaces. According to the available information, National Fertilizers Limited (NFL) plans to provide 350 tree guards, 100 three-seater iron benches, nine water coolers and nine reverse osmosis (RO) units. The proposed cost of these facilities

is Rs 20 lakh. Similarly, 250 three-seater iron benches are planned to be provided with the support of Ramagundam Fertilizers and Chemicals Limited (RFCL), at a proposed cost of Rs 25 lakh. Hindustan Urvarak and Rasayan Limited (HURL) has proposed to provide 20 water coolers and 20 RO units, at an estimated cost of Rs 13 lakh. These projects will be implemented in accordance with the relevant approvals and prescribed timelines.

कोयंबतूरमध्ये मुख्यमंत्री विजय यांच्या हस्ते सात मजली 'पेरियार अरिवुलगम' इमारतीचे उद्घाटन

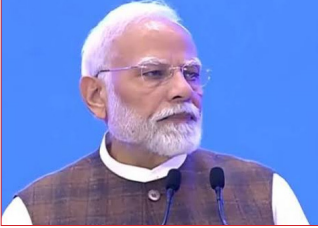
कोयंबतूर: तामिळनाडूचे मुख्यमंत्री विजय यांनी शुक्रवारी, १६ ऑक्टोबर रोजी कोयंबतूर येथे नवनिर्मित पेरियार अरिवुलगम इमारतीचे उद्घाटन केले. आधुनिक सुविधांनी सुसज्ज असलेल्या या सात मजली संकुलात ग्रंथालय, विज्ञान केंद्र, तारांगण, अत्याधुनिक सभागृह आणि डिजिटल ग्रंथालय यांसारख्या सुविधा विकसित करण्यात आल्या आहेत. विद्यार्थी, संशोधक आणि सर्वसामान्य नागरिकांसाठी शिक्षण, अध्ययन आणि वैज्ञानिक उपक्रमांचे प्रमुख केंद्र म्हणून हे संकुल विकसित करण्याची योजना आहे. मुख्यमंत्री विजय उद्घाटन समारंभासाठी शुक्रवारी सकाळी सुमारे ११ वाजता विशेष विमानाने कोयंबतूर येथे पोहोचले. त्यानंतर ते गांधिपुरम येथील कार्यक्रमस्थळाकडे रवाना झाले. अविनाशी रोडपासून गांधिपुरमपर्यंत सुमारे १० किलोमीटरच्या रोड शोदरच्यान रस्त्याच्या दुतर्फा मोठ्या संख्येने लोक जमले होते. खुल्या वाहनातून प्रवास करत नागरिकांना अभिवादन करणाऱ्या मुख्यमंत्र्यांचे



समर्थकांनी जोरदार स्वागत केले. यावेळी 'तमिळना वेत्री कळघम' च्या समर्थनार्थ घोषणाही देण्यात आल्या. मुख्यमंत्रीपदाची शपथ घेतल्यानंतर विजय यांचा हा पहिलाच कोयंबतूर दौरा असल्याने पक्षाचे कार्यकर्ते आणि स्थानिक नागरिकांमध्ये विशेष उत्साह दिसून आला. पेरियार अरिवुलगम इमारतीचे बांधकाम कोयंबतूरमधील गांधिपुरम केंद्रीय बसस्थानकासमोरील नंजप्पा रोडवरील कारागृह विभागाच्या सुमारे सात एकर जमिनीवर सार्वजनिक बांधकाम विभागाने केले आहे. नोव्हेंबर २०२४ मध्ये सुरू झालेले बांधकाम आता पूर्ण झाले आहे. सुमारे १ लाख ९८ हजार चौरस फूट क्षेत्रफळात पसरलेल्या या संकुलात तळमजल्यासह सात मजले आहेत. इमारतीचे 'ए'

आणि 'बी' असे दोन विभाग करण्यात आले आहेत. शिक्षण, वाचन आणि विज्ञान-तंत्रज्ञानाशी संबंधित उपक्रमांना प्रोत्साहन देण्याच्या उद्देशाने हे संकुल विकसित करण्यात आले आहे. वाचक आणि विद्यार्थ्यांच्या गरजा लक्षात घेऊन पेरियार अरिवुलगममध्ये अनेक सुविधा उपलब्ध करून देण्यात आल्या आहेत. यामध्ये एक लाख पुस्तकांचे ग्रंथालय, डिजिटल ग्रंथालय तसेच तमिळ, इंग्रजी आणि इतिहासाच्या पुस्तकांसाठी स्वतंत्र विभागांचा समावेश आहे. याशिवाय विशेष उत्साह दिसून आला. पेरियार अरिवुलगम इमारतीचे बांधकाम कोयंबतूरमधील गांधिपुरम केंद्रीय बसस्थानकासमोरील नंजप्पा रोडवरील कारागृह विभागाच्या सुमारे सात एकर जमिनीवर सार्वजनिक बांधकाम विभागाने केले आहे. नोव्हेंबर २०२४ मध्ये सुरू झालेले बांधकाम आता पूर्ण झाले आहे. सुमारे १ लाख ९८ हजार चौरस फूट क्षेत्रफळात पसरलेल्या या संकुलात तळमजल्यासह सात मजले आहेत. इमारतीचे 'ए'

पंतप्रधान मोदी ११ आणि १२ डिसेंबर रोजी कॅनडाच्या दौऱ्यावर जाणार



नवी दिल्ली: पंतप्रधान नरेंद्र मोदी ११ आणि १२ डिसेंबर रोजी कॅनडाच्या दौऱ्यावर जाणार आहेत. कॅनडातील भारतीय उच्चायुक्तालयाने शुक्रवारी सोशल मीडिया मंच एक्सवर ही माहिती दिली. उच्चायुक्तालयाने आपल्या पोस्टमध्ये पंतप्रधान मोदी ११ आणि १२ डिसेंबर रोजी कॅनडाला भेट देणार असल्याचे म्हटले आहे. यापूर्वी पंतप्रधान मोदी आणि कॅनडाचे पंतप्रधान मार्क कार्नी यांच्यात झालेल्या चर्चेदरम्यान दोन्ही नेत्यांनी द्विपक्षीय संबंधांमधील सकारात्मक गती कायम ठेवण्यास आणि व्यापार, ऊर्जा, तंत्रज्ञान, सुरक्षा तसेच दोन्ही देशांतील नागरिकांमधील संपर्क या क्षेत्रांत ठोस परिणाम साधण्याच्या दिशेने काम करण्यास सहमती दर्शवली होती.

ओम बिरा, शाह यांच्यासह अनेक नेत्यांकडून राष्ट्रीय सुरक्षा रक्षकांच्या स्थापना दिनानिमित्त जवानांना शुभेच्छा

नवी दिल्ली: लोकसभेचे अध्यक्ष ओम बिरा आणि केंद्रीय गृहमंत्री व सहकारमंत्री अमित शाह यांच्यासह अनेक नेत्यांनी शुक्रवारी एनएसजी स्थापना दिनानिमित्त जवानांना शुभेच्छा दिल्या. ओम बिरा यांनी एक्सवर लिहिले की, राष्ट्रीय सुरक्षा रक्षकांच्या स्थापना दिनानिमित्त देशाच्या सुरक्षेसाठी सदैव तत्पर असलेल्या शूर कमांडोंना अभिवादन. दहशतवाद आणि गंभीर सुरक्षा आव्हानांचा सामना करण्यासाठी स्थापन झालेल्या या विशेष दलाने अतुलनीय धैर्य, उच्च दर्जाचे प्रशिक्षण आणि असामान्य कौशल्याच्या जोरावर आपली वेगळी ओळख निर्माण केली आहे. दहशतवादविरोधी मोहिमांपासून ते अत्यंत जोखमीच्या सुरक्षा जबाबदाऱ्यांपर्यंत त्यांची तत्परता, अचूक रणनीती आणि सांघिक कार्य देशाच्या सुरक्षा क्षमतेचा महत्त्वाचा भाग आहे. 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' हे ध्येयवाक्य प्रत्यक्षात उतरवले असून साहस आणि कार्यरत असलेल्या एनएसजीच्या सर्व जवानांना आणि त्यांच्या कुटुंबीयांना त्यांनी मनःपूर्वक शुभेच्छा दिल्या. अतूट साहस, उत्कृष्ट व्यावसायिक क्षमता आणि वीरतापूर्ण बलिदानाच्या



माध्यमातून त्यांनी देशाचे संरक्षण केले आहे. संसदीय कामकाजमंत्री किरेन रिजजू म्हणाले की, देशाचे 'ब्लॅक कॅट कमांडो' असामान्य धैर्य, शिस्त आणि समर्पणाचे प्रतीक आहेत. राष्ट्राला सुरक्षित ठेवण्यासाठी आणि प्रत्येक धोक्याचा ठामपणे सामना करण्यासाठी त्यांनी घेतलेल्या संकलपाला आपण नमन करतो. केंद्रीय कृषिमंत्री शिवराज सिंह चौहान यांनी म्हटले की, एनएसजीच्या सर्व शूर जवानांनी आपल्या असामान्य समर्पणातून आणि निःस्वार्थ सेवेतून 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' हे ध्येयवाक्य प्रत्यक्षात उतरवले असून साहस आणि शौर्याच्या नव्या गाथा लिहिल्या आहेत. त्यांच्या शौर्याचा आणि कर्तव्यनिष्ठेचा प्रत्येक भारतीयाला अभिमान आहे. केंद्रीय वस्त्रोद्योगमंत्री गिरिराज सिंह म्हणाले की, देशाच्या संरक्षणासाठी

दाखवलेले जवानांचे अतुलनीय धैर्य आणि समर्पण सर्वांसाठी प्रेरणादायी आहे. केंद्रीय सामाजिक न्याय आणि सक्षमीकरणमंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार यांनी सांगितले की, 'सर्वत्र सर्वोत्तम सुरक्षा' हे ध्येय घेऊन देशाच्या संरक्षणासाठी सदैव तत्पर असलेल्या राष्ट्रीय सुरक्षा रक्षकांच्या जवानांची अनुकरणीय भूमिका, अतुलनीय धैर्य आणि पराक्रम संपूर्ण राष्ट्रासाठी अभिमानास्पद आहे. भाजपचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी यांनी म्हटले की, देशाच्या शूर जवानांचे असामान्य धैर्य, व्यावसायिक दृष्टिकोन आणि राष्ट्रीय सुरक्षेप्रीती असलेले समर्पण प्रत्येक भारतीयासाठी अभिमानाची बाब आहे. कर्तव्य बजावताना त्यांनी सर्वोच्च बलिदान दिले आहे. त्यांचे साहस आणि समर्पण हे राष्ट्रसेवेच्या सर्वोच्च परंपरांचे प्रतीक आहे.

येमेनमध्ये हुती बंडखोरांचा राष्ट्रपती राजवाड्यावर हल्ला, दोन सुरक्षा कर्मचाऱ्यांचा मृत्यू

सना: येमेनमध्ये हुती बंडखोर आणि सौदी अरेबिया यांच्यातील तणाव दिवसेंदिवस वाढत आहे. गुरुवारी हुती बंडखोरांनी येमेनमधील अदन येथील अल-मआशिक राष्ट्रपती राजवाड्याला लक्ष्य केले. या हल्ल्यात दोन सुरक्षा कर्मचाऱ्यांचा मृत्यू झाला, तर अन्य सहा जण जखमी झाले. वृत्तानुसार, येमेनचे युवा मंत्री नायेफ सालेह अल-बकरी यांनी सांगितले की, अदनमध्ये उपस्थित असलेले मंत्रिमंडळातील सर्व मंत्री सुरक्षित आहेत. या हल्ल्यानंतरही सरकारचे सदस्य शहर सोडणार नसल्याचे

त्यांनी स्पष्ट केले. हुती बंडखोर आणि सौदी अरेबिया यांच्यातील लष्करी संघर्ष सातत्याने तीव्र होत असताना हा हल्ला झाला आहे. याच्या एक दिवस आधी हुती बंडखोरांनी सौदी अरेबियातील ऊर्जा प्रकल्प आणि रियाध येथील आंतरराष्ट्रीय विमानतळाला लक्ष्य केल्याचा दावा केला होता. बुधवारी हुतींचे लष्करी प्रवक्ते याह्या सरी यांनी दावा केला की, संघटनेने बॉलिस्टिक क्षेपणास्त्रे, क्लृप्त क्षेपणास्त्रे आणि ड्रोनच्या मदतीने सौदी अरेबियातील अनेक ठिकाणांवर हल्ले केले. समाजमाध्यम



मंच 'एक्स' वर जारी केलेल्या निवेदनात सरी यांनी सांगितले की, या हल्ल्यांमध्ये सौदी अरेबियाच्या पूर्व प्रांतातील सौदी अरामकोचे प्रकल्प, रास तनुरा तेलशुद्धीकरण प्रकल्प आणि रियाधमधील किंग खालिद आंतरराष्ट्रीय विमानतळाला लक्ष्य

करण्यात आले. हुती प्रवक्त्याच्या म्हणण्यानुसार, या हल्ल्यांमुळे लक्ष्य करण्यात आलेल्या ठिकाणांवर मोठे नुकसान झाले आणि आग लागली. मात्र, या दाव्यांना स्वतंत्रपणे दुजोरा मिळालेला नाही. आगामी काळातही सौदी अरेबियाविरुद्ध हुतींची लष्करी मोहीम सुरू राहील, असा इशाराही सरी यांनी दिला. विमानतळे आणि तेल प्रकल्पांना संभाव्य लक्ष्य ठरवताना त्यांनी आंतरराष्ट्रीय जहाज वाहतूक कंपन्या, सर्वसामान्य नागरिक आणि संबंधित प्रकल्पांमध्ये काम करणाऱ्या कर्मचाऱ्यांना

या ठिकाणांपासून दूर राहण्याचा सल्ला दिला. हुती बंडखोरांनी या ठिकाणांना आपल्या सशस्त्र दलांसाठी 'वैध लक्ष्य' घोषित केले आहे. दरम्यान, वादळी तणावाच्या पार्श्वभूमीवर सौदी अरेबियाच्या नेतृत्वाखालील आघाडीने मंगळवारी येमेनची राजधानी सना येथील हुतींच्या नियंत्रणाखाली असलेल्या परिसरातील येमेन ऑईल कंपनीचे अल-सबाहाह केंद्रीय ईंधन केंद्र रिकामे करण्याचे निर्देश दिले होते. संभाव्य लष्करी कारवाईपूर्वी नागरिकांनी परिसर सोडावा, असे

आवाहन आघाडीचे प्रवक्ते मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी यांनी केले होते. त्यांनी समाजमाध्यम मंच 'एक्स' वर संबंधित ठिकाणाचा सांकेतिक नकाशाही प्रसिद्ध केला होता. दुसरीकडे, सौदी नेतृत्वाखालील आघाडीने दावा केला की, नैऋत्य सौदी अरेबियातील खमिस मुशैत शहराच्या दिशेने डागण्यात आलेली दोन बॉलिस्टिक क्षेपणास्त्रे हवेतच रोखण्यात आली. याशिवाय, रियाधच्या उत्तरेकडे आलेली तीन मानवरहित हवाई वाहने म्हणजेच ड्रोन निष्क्रिय करण्यात आल्याची

माहितीही आघाडीने दिली. याउलट, हुती बंडखोरांनी सौदी अरेबियाचे एक टेहळणी विमान पाडल्याचा दावा केला आहे. मात्र, या दाव्यांनाही स्वतंत्रपणे दुजोरा मिळालेला नाही. येमेनमधील ताज्या घडामोडींमुळे प्रादेशिक सुरक्षा, ऊर्जा पुरवठा आणि सागरी व्यापाराबाबत चिंता वाढली आहे. विशेषतः लाल समुद्र आणि बाब-अल-मंडेब सामुद्रधुनीच्या सुरक्षेबाबत गंभीर प्रश्न उपस्थित झाले आहेत. आंतरराष्ट्रीय सागरी व्यापाराच्या दृष्टीने हा जलमार्ग अत्यंत महत्त्वाचा आहे.

'कबूतर' के साथ पर्दे पर लौटेंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अब एक अलग तरह की अपराध कथा के साथ बड़े पर्दे पर आने की तैयारी कर रहे हैं। वह निर्देशक ईशान शर्मा की पहली फिल्म 'कबूतर' में मुख्य भूमिका निभाएंगे। दिल्ली की पृष्ठभूमि पर बनने वाली इस फिल्म में नवाजुद्दीन एक ऐसे जासूस के किरदार में नजर आएंगे, जो अनोखे तरीकों से मामलों की पड़ताल करता है। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में दिल्ली में शुरू करने की योजना है। इसका



निर्माण निखिल चौधरी की कंपनी एमडीसी फिल्मवर्क्स कर रही है। इस परियोजना में फ्रांस और नॉर्वे के निर्माता भी साझेदार हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म का केंद्र महबूब नाम का जासूस है, जो पुरानी दिल्ली की तंग गलियों और पुरानी इमारतों के बीच रहकर अपने लिए

नए मामले तलाशता है। उसकी दिलचस्पी जिन् के नाम लिखी गई चिट्ठियों में है, जिन्हें वह चुपके से पढ़ता है। इसी दौरान उसकी जिंदगी दो ऐसे किरदारों से जुड़ती है, जिनकी अपनी अलग परेशानियां हैं। एक जापानी पर्यटक अपने अतीत के दर्द से बाहर निकलने की कोशिश कर रही है, जबकि रूबी नाम का बच्चा अपने लापता माता-पिता को खोज रहा है। इन घटनाओं के जरिए कहानी रहस्य और अपराध की कई परतें खोलती है।

निर्माता निखिल चौधरी का मानना है कि नवाजुद्दीन का अभिनय अनुभव और दिल्ली से उनका परिचय इस फिल्म के लिए खास साबित होगा। अभिनेता 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'द लंचबॉक्स' जैसी फिल्मों में बिल्कुल अलग अंदाज के किरदार निभाकर अपनी पहचान बना चुके हैं। कान्स फिल्म महोत्सव और अंतरराष्ट्रीय एमी पुरस्कारों से जुड़ी उनकी पहचान भी फिल्म को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने में मददगार हो सकती है।

'धुरंधर' में कैमियो की फीस पर यामी गौतम ने खोला राज



अभिनेत्री यामी गौतम अपनी फिल्म 'नयी नवेली' के प्रचार के लिए अभिनेता आदिनाथ कोठारे के साथ मराठी शो 'कोण होणार करोडपती' में नजर आएंगी। शो की मेजबान माधुरी दीक्षित के साथ बातचीत के दौरान फिल्म 'धुरंधर' में यामी के कैमियो का जिक्र भी होगा। माधुरी ने मजाकिया अंदाज में उनसे पूछा कि पति आदित्य धर की फिल्म में काम करने के लिए उन्हें फ्रीस मिली थी या उन्होंने सिर्फ प्यार से यह भूमिका निभाई थी। माधुरी ने बताया कि उन्हें 'धुरंधर' काफी पसंद आई। इसके बाद उन्होंने यामी से पूछा कि कैमियो के लिए उन्हें पैसे मिले थे या आदित्य ने उनसे प्यार से फिल्म में काम करने का आग्रह किया था। इस सवाल

पर यामी हंस पड़ीं। उन्होंने जवाब दिया कि कुछ चीजों का कोई मोल नहीं होता। उनके लिए बेहतरीन निर्देशकों में से एक आदित्य धर के निर्देशन में काम करने का अवसर ही सबसे बड़ी फ्रीस थी। यामी के इस जवाब से साफ हुआ कि उनके लिए 'धुरंधर' में काम करने का अनुभव आर्थिक लाभ से कहीं ज्यादा अहम था। वह आदित्य के निर्देशन और उनकी प्रतिभा का सम्मान करती हैं। माधुरी के साथ हुई यह हल्की-फुल्की बातचीत शो के आगामी एपिसोड का खास आकर्षण होगी। 'कोण होणार करोडपती' का प्रसारण सोमवार से शनिवार रात 9 बजे सोनी मराठी पर होता है। इसे सोनी लिव पर भी देखा जा सकता है।

‘मैनिपुलेट होने से बचें’, ईशा कोपिकर ने युवाओं को दी नसीहत

अभिनेत्री ईशा कोपिकर ने जेन-जी युवाओं को संदेश देते हुए कहा है कि वे किसी के प्रभाव में आकर फैसला लेने के बजाय तथ्यों को समझें और अपने विवेक का इस्तेमाल करें। उन्होंने युवाओं को पढ़ाई पर ध्यान देने, देश के हितों के बारे में सोचने और अपनी शिक्षा का उपयोग राष्ट्र के विकास में करने की सलाह दी है। समाचार एजेंसी आईएनएस से बातचीत में ईशा कोपिकर ने कहा कि युवाओं को किसी की बातों या भावनात्मक अपील से प्रभावित होकर कदम नहीं उठाना चाहिए। उनके मुताबिक, किसी भी मुद्दे पर राय बनाने से पहले उसकी सच्चाई जानना और सही-गलत के बीच अंतर समझना जरूरी है। ईशा कोपिकर ने जेन-जी के लिए अपने संदेश में कहा, 'अपने आपको मैनिपुलेट होने मत दीजिए, पढ़ाई में ध्यान



दीजिए, फैक्ट को समझें और इस बात पर ध्यान दें कि देश के लिए क्या सही है और क्या गलत। किसी के इमोशन और बहकावे में आकर कुछ भी न करें।' अभिनेत्री ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि माता-पिता

अपने बच्चों को बेहतर भविष्य की उम्मीद के साथ पढ़ाते हैं। ऐसे में युवाओं को अपनी शिक्षा का सही इस्तेमाल करना चाहिए और देश के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी दूसरे की बातों में आकर ऐसा कदम नहीं उठाना चाहिए, जिसके लिए बाद में पछताना पड़े। उनका संदेश युवाओं को सोच-समझकर फैसले लेने और अपनी जिम्मेदारियों को समझने पर केंद्रित रहा। यह पहली बार नहीं है, जब ईशा कोपिकर ने युवाओं से किसी भी मुद्दे पर बिना पूरी जानकारी के प्रतिक्रिया न देने की बात कही है। इससे पहले भी उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया था। उस वीडियो में अभिनेत्री ने कहा था कि किसी भी विरोध प्रदर्शन या आंदोलन में

शामिल होने से पहले उसके पीछे के तथ्यों को अच्छी तरह समझना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रही बातों या भावनाओं के आधार पर तुरंत निर्णय लेने के बजाय खुद जानकारी जुटाने और सवाल पूछने की सलाह दी थी। ईशा कोपिकर ने अपने पहले संदेश में लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान करने के साथ सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा पर भी जोर दिया था। उन्होंने युवाओं से अपील की थी कि वे बिना सोचे-समझे किसी भी भीड़ का हिस्सा बनने के बजाय जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करें। अभिनेत्री का कहना था कि युवा देश का भविष्य हैं और उनकी ऊर्जा का उपयोग सकारात्मक कार्यों में होना चाहिए। उनके मुताबिक, एक मजबूत और समझदार भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका अहम है।

दुर्लभ नीली हल्दी के बारे में जानते हैं आप ? जानें इसकी खासियत

हल्दी भारतीय रसोई का ऐसा मसाला है, जिसका इस्तेमाल सदियों से खाने के साथ-साथ पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में भी किया जाता रहा है। आमतौर पर हम सभी पीली हल्दी यानी Curcuma longa के बारे में जानते हैं, लेकिन हल्दी की एक दुर्लभ प्रजाति ऐसी भी है जिसका रंग अंदर से नीला-काला दिखाई देता है। इसे नीली हल्दी या काली हल्दी कहा जाता है। इसका वानस्पतिक नाम Curcuma caesia है। पीली हल्दी के मुकाबले नीली हल्दी की जड़ का रंग भी गहरा नीला या नीला-काला होता है और इसकी खुशबू भी काफी अलग होती है। इसमें कपूर जैसी तेज और हल्की कड़वी सी सुगंध होती है। इस हल्दी का इस्तेमाल रोजाना खाना पकाने के लिए नहीं किया जाता, बल्कि नीली हल्दी का इस्तेमाल पारंपरिक चिकित्सा और आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति में किया जाता है।

सूजन और जोड़ों की परेशानी में संभावित मदद
नीली हल्दी का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से शरीर में इन्फ्लेमेशन और जोड़ों की समस्या



में किया जाता रहा है। हालांकि पीली हल्दी में मौजूद करक्यूमिन पर कहीं अधिक शोध उपलब्ध हैं, नीली हल्दी में भी कई प्राकृतिक यौगिक पाए जाते हैं जिनमें मुख्य रूप से एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं।

रोगाणुरोधी गुणों पर हो रही है रिसर्च

नीली हल्दी में मौजूद कुछ प्राकृतिक यौगिक में प्रयोगशाला अध्ययन के दौरान रोगाणुरोधी गुण पाए गए हैं। इसी वजह से पारंपरिक उपचारों में हल्दी की विभिन्न

प्रजातियों का इस्तेमाल त्वचा की छोटी-मोटी समस्या और घाव के लिए किया जाता रहा है।

पाचन से जुड़ी परेशानी में पारंपरिक उपयोग
पारंपरिक चिकित्सा में नीली हल्दी का इस्तेमाल गैस, ब्लोटिंग और पाचन संबंधी असहजता के लिए किया जाता रहा है। इसके सुगंधित यौगिक पाचन तंत्र पर प्रभाव डालते हैं।

खांसी-जुकाम और सांस से जुड़ी परेशानी
नीली हल्दी का पारंपरिक उपयोग खांसी, कफ और सांस से जुड़ी कुछ परेशानियों में भी किया जाता है। इसका तेज सुगंध और प्राकृतिक तेलों के कारण इसका इस्तेमाल पारंपरिक उपचार में किया जाता रहा है।

इस्तेमाल से पहले इन बातों का रखें ध्यान
खासकर गर्भावस्था, स्तनपान, किसी गंभीर बीमारी या नियमित दवाओं के सेवन की स्थिति में नीली हल्दी का सेवन करने से पहले डॉक्टर या योग्य स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है।

चाय के शौकीन हैं तो स्नैक्स चुनते समय न करें ये गलतियां

चाय के बिना दिन की शुरुआत या शाम की चुस्की अधूरी लगती है। लेकिन चाय के साथ खाई जाने वाली कई ऐसी चीजें हैं, जो सेहत के लिए समस्या पैदा कर सकती हैं। खासकर आयरन से भरपूर खाने के साथ चाय पीने से पोषक तत्वों का एब्जॉर्बेशन प्रभावित होता है। वहीं कुछ ऐसे स्नैक्स ज्यादा चीनी, तेल और कैफीन का सेवन बढ़ाते हैं। आइए जानते हैं चाय के साथ किन 5 चीजों को खाने से बचना बेहतर है।

1. आयरन रिच फूड के साथ चाय से बचें
क्या आपकी थाली में दाल, चना, राजमा या पालक है, तो उसके साथ चाय पीने की आदत बदल दें। चाय में मौजूद पॉलीफेनोल और टैनिन प्लॉट बेस्ड फूड्स से मिलने वाले नॉन हिम आयरन के एब्जॉर्बेशन को कम करता है। खाने और चाय के बीच कुछ समय का गैप होना चाहिए।



2. चाय के साथ समोसा-पकौड़ा रोजाना न खाएं
गरमा-गरम चाय के साथ समोसा, पकौड़ा या कचौरी का स्वाद भले ही शानदार लगता हो, लेकिन यह कॉम्बिनेशन रोज की आदत बनाना सही नहीं है। इन नाश्तों में अक्सर तेल, नमक और कैलोरी ज्यादा होती हैं। बार-बार खाने से आपकी ओवरऑल डाइट की न्यूट्रिशनल क्वालिटी प्रभावित होती है। रोज के नाश्ते के लिए भुना हुआ

चना, नट्स या होममेड स्नैक बेहतर ऑप्शन है।
3. चाय के साथ ज्यादा स्पाइसी फूड कर सकता है परेशान
चाय के साथ तीखी चाट, तीखे चटाकेदार नमकीन या बहुत मसालेदार खाना कुछ लोगों के लिए परेशानी बढ़ा सकता है। अगर आपको पहले से एसिडिटी, हार्टबर्न या डाइजेशन की समस्या है, तो चाय और बहुत तीखा खाने

का कॉम्बिनेशन ट्रिगर करता है। ऐसे में चाय के साथ तीखा नाश्ता करने से बचने की सलाह दी जाती है।

4. चाय के साथ मीठा
एक कप चाय और दो बिस्किट से शुरू हुई आदत कब कई बिस्किट, केक या मिठाई तक पहुंच जाती है, पता ही नहीं चलता। अगर चाय में पहले से चीनी है और साथ में कोई मीठा स्नैक लिया जाए, तो मोटे और हाई कैलोरी का सेवन बढ़ जाता है।
5. चाय के साथ चॉकलेट
भी सोच-समझकर खाएं
चॉकलेट और चाय दोनों में कैफीन होता है। अगर इनका सेवन ज्यादा मात्रा में किया जाए, तो कुछ संवेदनशील लोगों में बेचैनी, तेज धड़कन या नींद में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर अगर आप शाम या रात में चाय पीते हैं, तो चॉकलेट की मात्रा पर कंट्रोल करना चाहिए।

सुबह केला खाना है फायदेमंद, लेकिन इसे पूरा नाश्ता न समझें

ज्यादातर भारतीय अपने सुबह की शुरुआत चाय-काफी से करते हैं, तो कुछ लोग दिन की शुरुआत किसी फल से करना पसंद करते हैं। इनमें केला सबसे आसान चॉइस है, लेकिन क्या सुबह खाली पेट केला खाना सही है या केले को नाश्ते के साथ खाना ज्यादा बेहतर है? सुबह केला खाना बिल्कुल सेफ है, लेकिन इसे नाश्ते के विकल्प के रूप में खाना सही नहीं है। केले के साथ प्रोटीन और हेल्दी फैट वाले खाद्य पदार्थों को भी शामिल किया जाना चाहिए।

सुबह केला खाने के फायदे
केला में फाइबर, पोटैशियम, विटामिन B6 और विटामिन C जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। एक सामान्य केले में लगभग 3 ग्राम फाइबर होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है और डाइजैस्टिव सिस्टम को सपोर्ट करता है। केले में मौजूद पोटैशियम शरीर में प्लूइड बैलेंस और मसल्स को सपोर्ट करता है। यही वजह है कि सुबह या



वर्कआउट से पहले केला लेना कई लोगों के लिए एनर्जी का अच्छा स्रोत होता है।

केले के साथ क्या खाएं?
केले को नाश्ते में शामिल करने के लिए इसे इन तरीकों से शामिल कर सकते हैं-

- केला और दही
- केला, ओट्स और चिया सीड्स
- केला और नट्स
- ओटमील में कटा हुआ केला
- केला और पीनट बटर
- केला और दूध के साथ संतुलित नाश्ता

प्रोटीन और हेल्दी फैट के साथ केला खाने से नाश्ता ज्यादा संतुलित बनता है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है।

डायबिटीज वालों को ध्यान देने की आवश्यकता
अगर आपको डायबिटीज है, तो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए उसकी मात्रा पर ध्यान देना चाहिए। शुगर के मरीजों को पके हुए केले खाने की सलाह दी जाती है। पके हुए केले में कार्बोहाइड्रेट और शुगर ब्लड ग्लूकोज को प्रभावित करते हैं। फाइबर इस प्रभाव को कुछ हद तक धीमा करता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए नई सुविधा, सांस से शरीर में पहुंचेगा इंसुलिन

डायबिटीज के मरीज को जरूरत पड़ने पर इंसुलिन का इंजेक्शन लगाया जाता है, लेकिन अब एक ऐसा इंसुलिन इंजाद किया गया है, जो सांस के जरिए शरीर में जाता है और जल्दी असर करता है। इसे सोशल मीडिया पर इंसुलिन वेप कहा जाता है, लेकिन यह कोई वेपिंग डिवाइस नहीं, बल्कि इंसुलिन पाउडर देने वाला मेडिकल इनहेलर की तरह है।

क्या है Inhaled Insulin ?
इनहेल्ड इंसुलिन में इंसुलिन को इंजेक्शन की तरह त्वचा के नीचे देने के बजाय एक खास इन्हेलर के जरिए फेफड़ों तक पहुंचाया जाता है। वहां से यह तेजी से ब्लड स्ट्रीम में एब्जॉर्ब होता है। इंसुलिन इन्हेलर मुख्य रूप से खाने के बाद बढ़ने वाली ब्लड शुगर को कंट्रोल में करने के लिए इस्तेमाल होने वाला रैपिड एक्टिंग इंसुलिन है।



इंजेक्शन से कैसे अलग है?
आम तौर पर लगाया जाने वाला इंसुलिन इंजेक्शन त्वचा के नीचे मौजूद फैटी टिशू के जरिए शरीर में पहुंचता है, जबकि इंसुलिन इन्हेलर फेफड़ों के जरिए ब्लड स्ट्रीम में पहुंचता है। इसकी खासियत इसका तेजी से एब्जॉर्ब हो जाना है। इसका एक फायदा नीडल फ्री होना भी है।

कितनी देर में करता है असर ?
इंसुलिन इन्हेलर लगभग 10–15 मिनट में काम करना शुरू कर देता है, जबकि रैपिड एक्टिंग इंसुलिन को असर करने में अधिक समय लगता है। इसलिए इसे आमतौर पर भोजन से पहले इस्तेमाल किया जाता है, ताकि खाने के बाद होने वाले ब्लड शुगर स्पाइक को कंट्रोल किया जा सके।

किन लोगों के लिए हो सकता है विकल्प ?

यह बुजुर्ग मरीज, जिन्हें टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज की समस्या है, उनके लिए यह अच्छा विकल्प हो सकता है। खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें रोजाना इंसुलिन का इंजेक्शन लेने में समस्या होती है। इसे शुरू करने से पहले डायबिटीज ट्रीटमेंट, इंसुलिन की जरूरत और फेफड़े की सेहत को ध्यान में रखा जाता है। इसका फैसला पूरी तरह से डॉक्टर की निगरानी में होती है।

इंसुलिन इन्हेलर के साइड इफेक्ट्स क्या हो सकते हैं?
इंसुलिन इन्हेलर लेने पर शुरुआत में खांसी, गले में खरासा छाती में इन्फ्लेमेशन की समस्या महसूस हो सकती है। इसके डोज की बात करें, तो यह इंजेक्टेड इंसुलिन की तुलना में कम फ्लैक्सिबल होती है। इसलिए इसे डॉक्टर की निगरानी में ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

मॉडल त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, भोपाल की सत्र अदालत में सुनवाई पर रोक

संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्व मॉडल एवं अभिनेत्री त्विषा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को भोपाल की सत्र अदालत में चल रही सुनवाई पर अगले आदेश तक रोक लगा दी। शीर्ष अदालत ने मुकदमे को भोपाल से दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग वाली याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), त्विषा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 26 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने यह आदेश मृतका के पिता नवनीधि शर्मा की ओर से दाखिल स्थानांतरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। याचिकाकर्ता ने मध्य प्रदेश में मुकदमे की निष्पक्ष सुनवाई को लेकर आशंका जताते हुए इसे दिल्ली की सक्षम अदालत में स्थानांतरित करने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि मामले में आरोपित त्विषा की सास गिरिबाला सिंह सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हैं। इसी आधार पर याचिकाकर्ता ने भोपाल में निष्पक्ष सुनवाई को लेकर अपनी आशंका व्यक्त की है। हालांकि, इस आशंका पर सुप्रीम कोर्ट ने अभी कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया है। नवनीधि शर्मा दिल्ली-एनसीआर में रहते हैं। उन्होंने अपनी याचिका में कहा है कि मुकदमे की सुनवाई दिल्ली में स्थानांतरित किए जाने से निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित करने में मदद



मिलेगी। शीर्ष अदालत ने संबंधित पक्षों को जवाब दाखिल करने का अवसर देते हुए भोपाल की सत्र अदालत की कार्यवाही पर फिलहाल रोक लगा दी है। 12 मई को भोपाल स्थित ससुराल में हुई थी त्विषा की मौत। नोएडा की रहने वाली पूर्व मॉडल एवं अभिनेत्री त्विषा शर्मा की 12 मई 2026 को भोपाल स्थित उनके ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। घटना के बाद मायके पक्ष ने पति और ससुराल वालों पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए थे। परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन भी किया गया था। शुरुआती जांच के दौरान पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चोटों का उल्लेख सामने आने के बाद परिवार ने मौत की परिस्थितियों पर सवाल उठाए और निष्पक्ष जांच की मांग की। बाद में हाईकोर्ट के निर्देश पर त्विषा के शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई।

सीबीआई ने पति और सास के खिलाफ दाखिल किया आरोपपत्र सीबीआई ने जांच पूरी करने के बाद त्विषा के पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया। अगस्त में सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, सीबीआई ने आरोपपत्र में मौत को आत्महत्या का मामला बताया था और कथित प्रताड़ना से जुड़े आरोपों की जांच की थी। इसके बाद संबंधित अदालत ने आरोपपत्र पर विचार करते हुए प्रथमदृष्ट्या अपराध पाए जाने के आधार पर मामले को आगे की सुनवाई के लिए सत्र न्यायालय भेज दिया था। हालांकि, आरोपपत्र दाखिल होने और प्रथमदृष्ट्या अपराध पाए जाने का अर्थ आरोपितों का दोष सिद्ध होना नहीं है। मामले में अंतिम निर्णय न्यायिक सुनवाई और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही होगा। अब 26 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद भोपाल की सत्र अदालत में चल रही कार्यवाही अगले आदेश तक स्थगित रहेगी।

गाजियाबाद में सीएम योगी का सपा पर तीखा हमला बोले— पहले दंगे और कर्फ्यू थे, अब विकास और सुरक्षा की पहचान

संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गाजियाबाद के डासना स्थित सुंदरदीप कॉलेज में आयोजित शिक्षक-स्नातक सम्मेलन में समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। विधान परिषद चुनाव के मतदाताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सपा सरकार के कार्यकाल में दंगों, कर्फ्यू, खराब सड़कों और निवेश की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की पहचान सुरक्षा, बेहतर बुनियादी ढांचे, धार्मिक आयोजनों और शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से बन रही है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत भगवान राम, हनुमान, वृंदावन के बांके बिहारी, मां शाकुन्भरी और भगवान शिव का स्मरण करते हुए की। उन्होंने नवरात्र के अवसर पर मां कात्यायनी की आराधना का उल्लेख किया और प्रदेश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं पर प्रकाश डाला।

सपा के पीडीए पर साधा निशाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी विधान परिषद चुनाव को लेकर सपा की रणनीति पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ने राजनीतिक परिस्थितियों के अनुसार अपना रुख बदला है और टिकट वितरण में परिवारवाद तथा बाहरी

शिक्षक-स्नातक सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने सपा के पीडीए पर उठाए सवाल, श्रीवंद शर्मा और दिनेश जोगल के समर्थन में किया संबोधन

प्रभाव को प्राथमिकता दी है। सपा के पीडीए नारे पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे 'परिवार डेवलपमेंट पार्टी' बताया। उन्होंने राज्यसभा चुनाव में टिकट वितरण का उल्लेख करते हुए सपा पर राजनीतिक स्वार्थ के आधार पर प्रत्याशी चुनने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के शासनकाल में उत्तर प्रदेश की पहचान दंगों, कर्फ्यू और बर्हाल सड़कों से जुड़ी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस दौर में निवेश का अनुकूल वातावरण नहीं था और उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास में भी बाधाएं थीं। उन्होंने आजम खां से जुड़े विश्वविद्यालय के उल्लेख करते हुए तत्कालीन सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए।

रामलीला और कांवड़ यात्रा का कड़ा उल्लेख

मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद में बड़े स्तर पर रामलीला के आयोजन हो रहे हैं और प्रदेश में धार्मिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध है। उन्होंने दावा किया कि पूर्ववर्ती सपा सरकार के समय कांवड़ यात्रा, रामलीला और दुर्गापूजा जैसे आयोजनों में अनेक कठिनाइयां आती थीं। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम के विकास और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार धार्मिक



एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर विशेष ध्यान दे रही है। सहारनपुर में मां शाकुन्भरी कॉरिडोर परियोजना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एलिवेटेड मार्ग का निर्माण कराया जा रहा है। इससे बरसात के दौरान आने वाली परेशानियों को कम करने में मदद मिलेगी। नमो भारत ट्रेन, जेवर एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे परियोजनाओं का जिक्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि दिल्ली और मेरठ के बीच नमो भारत ट्रेन ने आवागमन को सुगम बनाया है। उन्होंने जेवर एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को प्रदेश के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

सिख समुदाय पर राहुल गांधी के कथित बयान का मामला हाईकोर्ट पहुंचा, सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित

संवाददाता

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सितंबर 2024 में अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर दिए गए कथित बयान से जुड़ा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में दाखिल पुनरीक्षण याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई पूरी हो गई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान को एकल पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के अनुसार, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान भारत में सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने सिखों के कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठाए थे। इसी कथित बयान को आधार बनाकर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। इस मामले में पूर्व ग्राम प्रधान एवं समाजसेवी नागेश्वर मिश्रा ने राहुल गांधी के कथित बयान के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए कानूनी प्रक्रिया अपनाई थी। उनके अधिवक्ता के मुताबिक, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता

अमेरिका दौरे के दौरान धार्मिक स्वतंत्रता पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद, इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका पर दोनों पक्षों ने दलीलें



की धारा 173(4) के तहत आवेदन दिए जाने के बावजूद निचली अदालत से राहत नहीं मिली। इसके बाद मजिस्ट्रेट के आदेश को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका दाखिल की गई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि कथित बयान की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाना चाहिए। अधिवक्ता ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 का उल्लेख करते हुए भी कार्रवाई की मांग की। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने यह दावा भी किया कि राहुल गांधी की टिप्पणी के अगले दिन खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत

सिंह पन्नु ने उनके बयान का समर्थन किया था। हालांकि, यह याचिकाकर्ता पक्ष का दावा है और अदालत ने अभी इस संबंध में कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं दिया है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने अदालत के समक्ष अपनी दलीलें प्रस्तुत कीं। इसके बाद न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान को एकल पीठ ने पुनरीक्षण की याचिका पर निर्णय सुरक्षित रख लिया। अब अदालत के अंतिम आदेश से स्पष्ट होगा कि निचली अदालत के निर्णय में किसी हस्तक्षेप की आवश्यकता है या नहीं। फिलहाल इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर हाईकोर्ट ने कोई अंतिम निर्णय नहीं सुनाया है।

दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों को दिया गया प्रशिक्षण



संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने, उनकी विशेष आवश्यकताओं को समझने और उन्हें समुचित शैक्षिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मियागंज में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों की प्रारंभिक पहचान, समावेशी शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई। खंड शिक्षा अधिकारी मनीन्द्र कुमार के नेतृत्व में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर अवधेश कुमार एवं हेमलता ने आंगनवाड़ी आगे की सुनवाई के लिए सत्र न्यायालय भेज दिया था। हालांकि, आरोपपत्र दाखिल होने और प्रथमदृष्ट्या अपराध पाए जाने का अर्थ आरोपितों का दोष सिद्ध होना नहीं है। मामले में अंतिम निर्णय न्यायिक सुनवाई और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही होगा। अब 26 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश के बाद भोपाल की सत्र अदालत में चल रही कार्यवाही अगले आदेश तक स्थगित रहेगी।

उन्हें सहयोगात्मक वातावरण प्रदान करने की आवश्यकता है। प्रशिक्षकों ने कहा कि दिव्यांग बच्चों की प्रारंभिक पहचान और उनके अभिभावकों को जागरूक करने में आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। समय रहते बच्चों की विशेष आवश्यकताओं को समझकर उचित शैक्षिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, तो उनके विकास और शिक्षा में बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। कार्यक्रम में समावेशी शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बताया गया कि दिव्यांग बच्चों को सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर मिलने चाहिए। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ने के साथ सामाजिक सहभागिता और व्यक्तिगत विकास को भी प्रोत्साहन मिलता है। खंड और उन्हें शिक्षा से जोड़ने के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि प्रत्येक बच्चा अपनी विशिष्ट क्षमताओं और आवश्यकताओं के साथ महत्वपूर्ण है। दिव्यांग बच्चों को भी अन्य बच्चों के समान शिक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए बच्चों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और

नवरात्र के पांचवें दिन बांगरमऊ के देवी मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, स्कंदमाता की हुई पूजा-अर्चना

संवाददाता

उन्नाव, उत्तर प्रदेश। शारदीय नवरात्र के पांचवें दिन गुरुवार को नगर के विभिन्न देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के पंचम स्वरूप स्कंदमाता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भक्तों ने माता को फूल, फूल और चुनरी अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं, नगर के ब्लॉक रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोग केंद्र में स्कंदमाता के स्वरूप और गुणों पर प्रकाश डालते हुए ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया। नगर के मोहल्ला न्यू कटरा स्थित माता दुर्गा मंदिर में नौ दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन जारी है। इसके अलावा मोहल्ला शुक्लाना स्थित मां राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर, लखनऊ मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग के निकट स्थित बाला देवी मंदिर, नगर के पश्चिम में स्थित शीतला देवी मंदिर तथा नौनिहालगंज बाजार स्थित भुवनेश्वरी देवी मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने स्कंदमाता की आराधना की। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोग केंद्र में

झांसी में डांडिया नाइट 9.0 का भव्य आयोजन

सिद्धेश्वर मंदिर मंडपम में सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम, डॉ. संदीप सरावगी बोले— परंपराओं के संरक्षण के साथ महिलाओं की सुरक्षा भी समाज की जिम्मेदारी

संवाददाता

झांसी, उत्तर प्रदेश। एसवीएन एवं संघर्ष सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में सिद्धेश्वर मंदिर मंडपम में डांडिया नाइट 9.0 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं, महिला सम्मान और सुरक्षा को विशेष महत्व दिया गया। आयोजन में अतिथियों, कलाकारों और प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डांडिया की धुनों पर सांस्कृतिक उत्साह देखने को मिली। कार्यक्रम के आयोजक सौरभ सिंह एवं संयोजक विजय पहारिया रहे। मुख्य अतिथियों में काजल, डॉ. कीर्ति सागर और नीता सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. संदीप सरावगी ने विधिवत आरती कर आयोजन की शुरुआत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. संदीप सरावगी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराएं हमारी पहचान हैं। डांडिया जैसे सांस्कृतिक आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने और आपसी सद्भाव बढ़ाने का अवसर भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों में धार्मिक रीति-रिवाजों और परंपराओं का सम्मान करने के साथ महिलाओं की गरिमा, सम्मान और



सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है। महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना किसी एक व्यक्ति या संगठन की नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। डॉ. सरावगी ने कहा कि संघर्ष सेवा समिति का उद्देश्य सामाजिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से समाज में सकारात्मक संदेश देना है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को भारतीय परंपराओं से परिचित कराने के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है। इस अवसर पर बजरंग दल के सोमेंद्र पटेलरिया ने डॉ. संदीप सरावगी और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि डांडिया नाइट 9.0 का आयोजन भारतीय हिंदू रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुरूप किया गया। कार्यक्रम में महिला सम्मान और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक आयोजनों में परंपराओं के संरक्षण के साथ महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र में ब्रह्मभोज का आयोजन बीके सरला बहन ने बताया स्कंदमाता की आराधना का महत्व



आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने स्कंदमाता के स्वरूप, गुणों और धार्मिक महत्व पर विचार व्यक्त किए। राजयोग केंद्र की संचालिका बीके सरला बहन ने बताया कि स्कंदमाता का शाब्दिक अर्थ भगवान स्कंद अर्थात् कार्तिकेय की माता पार्वती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार स्कंदमाता देवताओं के सेनापति कार्तिकेय की माता हैं। वे कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं, इसलिए भुवनेश्वरी देवी मंदिर में भी श्रद्धालुओं ने स्कंदमाता की आराधना की। इस अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोग केंद्र में

है कि उनकी आराधना करने से भक्तों को सुख, ऐश्वर्य और ज्ञान की प्राप्ति होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं को माता के गुणों से प्रेरणा लेकर परिवार में पवित्रता, प्रेम और सकारात्मक विचार अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और राजयोग केंद्र से जुड़े लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर महेश फौजी, शिवपाल यादव, विनोद गुप्ता, रामकुमार रामाशंकर, सर्वेश गुप्त, अर्चना मिश्रा, राशि गुप्ता, सावित्री सिंह, अरुणा सिंह, कमला गुप्ता सहित सैकड़ों श्रद्धालु एवं जिज्ञासु उपस्थित रहे।

कारोबारी शिवा शर्मा की मौत मामले में मॉडल श्रद्धा शर्मा समेत तीन के खिलाफ गैर जमानती वारंट की तैयारी

संवाददाता

लखनऊ, उत्तर प्रदेश। हजरतगंज के कारोबारी शिवा शर्मा की मौत के मामले में पुलिस ने मॉडल श्रद्धा शर्मा, उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर आदिल उर्फ दानिश के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कराने के लिए अदालत में अर्जी दी है। पुलिस का दावा है कि मामले में आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य जुटाए जा चुके हैं और जल्द वारंट जारी हो सकता है। जांच एजेंसियों को श्रद्धा की आखिरी लोकेशन नेपाल के दांग जिले के भालुवांग इलाके में मिली है। बताया जा रहा है कि वह अपनी बहन रश्मि और दो युवकों के साथ नेपालगंज से आगे बढ़ते हुए भालुवांग तक पहुंची थी। गुरुवार को यह लोकेशन मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां नेपाल पुलिस के संपर्क में रहकर उसकी गतिविधियों का पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि भालुवांग के बाद श्रद्धा और उसके साथ मौजूद लोगों की लोकेशन स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस विभिन्न संभावित रास्तों और सीमावर्ती क्षेत्रों की जानकारी जुटा रही है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि श्रद्धा से जुड़ी एक गाड़ी 18 अक्टूबर 2025 को बहराइच पहुंची थी। नानपारा के पास चीनी मिल के निकट स्थित टोल प्लाज्जा पर वाहन का टोल टैक्स कटने के रिपोर्ट मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी के अनुसार, स्थानीय पुलिस लखनऊ पुलिस की जांच



टीम को सहयोग कर रही है और मामले से जुड़े हर बिंदु की पड़ताल की जा रही है। इस बीच श्रद्धा द्वारा कथित तौर पर बनाया गया शिवा का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में श्रद्धा, शिवा पर ज्वेलरी चोरी करने का आरोप लगाती दिखाई देती है। वीडियो में शिवा कथित तौर पर तीन सोने की चेन और एक ब्रेसलेट बेचने की बात स्वीकार करते हुए करीब छह लाख रुपये की रकम एक महीने में लौटाने की बात कह रहा है। वह अपनी कार गिरवी रखने की पेशकश भी करता सुनाई देता है। पुलिस ने इस वायरल वीडियो को भी जांच में शामिल किया है और इसकी प्रामाणिकता तथा पूरे घटनाक्रम से उसके संबंध की पड़ताल की जा रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी और पूछताछ के बाद ही शिवा शर्मा की मौत से जुड़े सभी पहलुओं पर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।